दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच।..

● नई दिल्ली।बुधवार 04 दिसंबर-2024 | ● वर्ष: 9 अंक: 341 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य: ₹3

लोकसभा में संभल मुद्दे पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का वॉकआउट

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के छठें दिन मंगलवार को भी जमकर हंगामा हुआ।उत्तर प्रदेश स्थित संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के बाद हुई हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी और चार युवकों की मौत पर चर्चा की मांग की गई है। इस मुद्दे पर लोकसभा में समाजवादी पार्टी की अगुवाई में कांग्रेस सांसदों ने भी वाकआउट कर दिया। उधर राज्यसभा में रामगोपाल यादव ने संभल का मुद्दा उठाया। सांसद ने कहा कि 24 तारीख को दोबारा सर्वे करने पहुंच गई टीम और पूरे संभल को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया।

पूरे देश को जलाने की रची गई पूर्व नियोजित साजिश : राम गोपाल यादव

उपचुनाव पर सांसद का बड़ा दावा : उन्होंने सदन में कहा कि अचानक भीड़ के साथ सर्वे करने वाले मस्जिद में दाखिल होने लगे लोगों को लगा मस्जिद में तोड़फोड़ करने जा रहे हैं जिसके बाद उन्होंने पत्थर चलाएं और फिर उनके ऊपर गोली चलाई गई जिसमें चार लोगों की मौत हो गई।सांसद ने कहा कि सैकड़ों लोगों के खिलाफ मुकदमे कायम हुए और कई लोग जेलों में हैं। उपचुनाव के संदर्भ में रामगोपाल ने कहा कि पास के जिलों में मतदान करने से रोका गया। राज्यसभा सांसद ने कहा कि उपचुनाव में लोगों को मतदान नहीं करने दिया गया और उसे ध्यान भटकने के लिए संभल का मुद्दा खड़ा किया गया। वहीं कांग्रेस से राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी भी संभल मुद्दे पर बोलने की मांग कर रहे थे लेकिन उनको अनुमति नहीं मिली। इसके अलावा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि'संभल का मुद्दा हर दिन उठ रहा है। पांच लोग मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए लेकिन अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। अगर यह पूर्व नियोजित साजिश नहीं होती तो बदायूं, अजमेर शरीफ और जौनपुर में भी यही हुआ। पूरे देश को जलाने की साजिश है।'

आज से 'कलम बंद आंदोलन' करेंगे गाजियाबाद के सैकड़ों अधिवक्ता

बार एसोसिएशन गाजियाबाद के प्रतिनिधिमंडल ने की वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से मुलाकात

अधिवक्ताओं ने आंदोलन के लिए बनाई सतर्कता और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया टीम

गाजियाबाद, करंट क्राइम : अधिवक्ताओं की हड़ताल लगातार जारी है और बुधवार से वकील कलम बंद हड़ताल को आगे बढ़ाएंगे। वहीं बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने अधिवक्ता परवेज मारूफ की सदस्यता रद्द करने के लिए लेटर लिखा है। तो गाजियाबाद के अधिवक्ता अपने आंदोलन को सफल बनाने के लिए अब दिल्ली स्थित संसद भवन के घेराव की तैयारी कर रहे हैं।इसके लिए मंगलवार को -बार एसोसिएशन गाजियाबाद का एक प्रतिनिधि मंडल सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल से मुलाकात करने पहुंचा था।प्रतिनिधिमंडल ने कपिल सिब्बल से संसद घेराव के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ताओं से समर्थन और हड़ताल करने की अपील भी की है।

फिलहाल संसद भवन का गाजियाबाद बार एसोसिएशन कब घेराव करेगी, यह तिथि फाइनल नहीं हुई है लेकिन इसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है। वहीं मंगलवार को भी बार एसोसिएशन गाजियाबाद के अधिवक्ताओं ने कामकाज ठप रखते हुए हड़ताल रखी।

सतर्कता टीम और इलेक्ट्रॉनिक टीम में यह सदस्य शामिल

करंट क्राइम : बार एसोसिएशन गाजियाबाद अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में लगातार जिला जज अनिल सिंह के तबादले और लाठीचार्ज करने वाली पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। तो आंदोलन को प्रभावी रूप से चलाने के लिए 51 वरिष्ठतम अधिवक्ताओं की एक संघर्ष समिति भी गठित की गई थी। इसी के साथ अब सतर्कता टीम बनाई गई है।जिसमें अधिवक्ता समीर नवाब, शैंकी बडगुजर, रोहित गोला, निर्भय जैन, इमरान ,अमित राणा ,इस्तकबाल,कपिल त्यागी ,दीपांशु त्यागी, अंकित मित्तल, कमल किशोर, अनिल भड़ाना को बनाया गया है। बार एसोसिएशन गाजियाबाद के विरुद्ध क्रियाकलापों में शामिल अधिवक्ताओं की जांच कर बार एसोसिएशन गाजियाबाद को सूचित करने का काम करेंगे ताकि अधिवक्ताओं के विरुद्ध भी कार्रवाई की जा सके। वहीं दूसरी टीम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रहेगी जिसमें सुमित देशबंधु, अखिल त्यागी, विजय गौर, विश्वास त्यागी, नितिन त्यागी और वरुण त्यागी समस्त आंदोलन की रील, फोटोग्राफी और सोशल मीडिया पर वायरल जनआंदोलन तक तक संदेश पहुंचाने का काम करेंगे।

आज चेंबर नंबर 751 से 1000 तक के वकील होंगे शामिल

करंट क्राइम : बुधवार को होने वाले अधिवक्ताओं की हड़ताल और आंदोलन प्रदर्शन के दौरान चेंबर नंबर 751 से लेकर 1000 तक चेंबर के अधिवक्ता शामिल होंगे। इसके साथ ही 11 वरिष्ठ अधिवक्ता क्रमिक अनशन में भी रहेंगे। वहीं आंदोलन को देखते हुए लगातार भारी संख्या में पुलिस बल और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती जारी है।

न्यायालय परिसर और जजों के रूम में पुलिस बल की हुई तैनाती

करंट क्राइम : बार एसोसिएशन लगातार जिला जज और न्यायिक कार्य का बहिष्कार कर रहे हैं। तो प्रदर्शन में अधिवक्ता नारेबाजी और बयानबाजी भी जमकर कर रहे हैं। दूसरी ओर जिला जज और अन्य न्यायाधीश अपनी सुरक्षा और कोर्ट परिसर में किसी प्रकार की उनके साथ अभद्रता या स्थिति मारपीट वाली ना बने, इसके लिए पुलिस से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। गाजियाबाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने न्यायालय परिसर के साथ ही जितने भी जज ,न्यायिक सेवा के अधिकारी हैं, उनके परिसर ,कक्ष और कार्यालय में पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी है ताकि किसी प्रकार की आपात स्थिति ना बने। वहीं एसीपी कवि नगर सर्किल अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है की सुरक्षा के लिहाज से सभी इंतजाम किए गए हैं।

वार्ड 19 और 21 के लिए छह उम्मीदवारों ने किया नामांकन, 17 दिसंबर को होगा चुनाव

19 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे परिणाम

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर निगम के दो वार्डों में चुनाव होना है। जिसमें वार्ड 19 और 21 के लिए मंगलवार को जन सुविधा केंद्र पर नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन फॉर्म जमा किए गए। वार्ड नंबर 19 के लिए चार उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरने का काम किया है। तो वार्ड 21 से दो ही प्रत्याशी चुनावी मैदान में सामने आए हैं। नगर निगम पार्षद के लिए होने वाले चुनाव की वोटिंग ईवीएम मशीन के द्वारा 17 दिसंबर को होगी और 19 दिसंबर को चुनाव के परिणाम जारी किए जाएंगे।

वार्ड 21 से ओमप्रकाश ने कांग्रेस पार्टी से नामांकन किया

वार्ड 19 से रेखा मकवाना ने नामांकन किया

वार्ड 19 से प्रियंका हांडा ने आजाद समाज पार्टी की ओर से पर्चा भरा

इन्होंने भरा है निगम चुनाव में पर्चा

करंट क्राइम। नगर निगम वार्ड 21 साहिबाबाद क्षेत्र से बिन्नू जाटव ने भाजपा की ओर से नामांकन पत्र भरने का काम किया है। तो वहीं वार्ड 21 से ओमप्रकाश ने कांग्रेस पार्टी से नामांकन किया है। इसके साथ ही वार्ड 19 से रंजीता ने भाजपा की ओर से नामांकन किया है। तो वही इसी वार्ड में प्रियंका हांडा ने आजाद समाज पार्टी की ओर से पर्चा भरने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी की ओर से वार्ड 19 से रेखा मकवाना ने नामांकन किया है। इसी के साथ एक निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमारी ने भी वार्ड 19 से नामांकन किया। सभी नामांकन पत्र चुनाव अधिकारी ने ले लिए हैं। इनकी जांच होगी, इसके बाद आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

कलेक्ट्रेट में होगी मतगणना

करंट क्राइम : नगर निगम के दो वार्डों के लिए उपचुनाव की पूरी तैयारी निर्वाचन विभाग द्वारा कर ली गई है। नामांकन की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है, यह चुनाव 17 दिसंबर को होगा और 19 दिसंबर को ईवीएम मशीन के द्वारा मतगणना होगी। वार्ड 19 व वार्ड 21 में चुनाव के लिए इन दोनों वार्ड को दो सेक्टर और दो जोन में बांटा गया है। जहां 23 बूथ और 23 ईवीएम मशीन चुनाव में लगाई जाएगी। मतदान के लिए पोलिंग पार्टी कलेक्ट्रेट परिसर के जन सुविधा केंद्र से भेजी जाएगी। इसी स्थान को स्ट्रांग रूप के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा और यही 19 दिसंबर को मतगणना की कार्रवाई कर कौन पार्षद जीता है इसकी घोषणा होगी।

आज राहुल गांधी सांसदों संग करेंगे संभल कूच, पुलिस कमिश्नरेट बॉर्डर पर रखेगी अलर्ट

संभल के जिलाधिकारी ने जारी किया पत्र

गाजियाबाद, करंट क्राइम : संभल में हुई हिंसा के बाद अब राजनीति शुरू हो गई है। तो वहीं स्थानीय प्रशासन और पुलिस नेताओं की एंट्री को लेकर अलर्ट मोड पर आ गई है।

खुफिया जानकारी मिली है कि बुधवार को कांग्रेस सांसद अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ कुछ सांसद लेकर संभल के लिए कूच करेंगे। वह दिल्ली से यूपी बॉर्डर गाजियाबाद के साथ ही गाजियाबाद की उन सीमाओं जो दिल्ली,

लोनी,हापुड़ , गौतमबुद्ध नगर से टच होती हैं, वहां पर भी पुलिस को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

बताया जा रहा है कि राहुल गांधी के साथ कुछ सांसद भी मौजूद रहेंगे। उधर गाजियाबाद कांग्रेस महानगर और जिलाअध्यक्षों को दिल्ली से फोन करके कार्यकताओं की भीड़ जुटाना का भी निर्देश दिया गया है। राहुल गांधी के आगमन की सूचना को लेकर पुलिस कमिश्नरेट में अलर्ट है। तो वही खुफिया विभाग के अधिकारी भी दिल्ली और संभल के इनपुट पर काम कर रहे हैं।

यूपी गेट ,डासना टोल और लोनी बॉर्डर पर नजर

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अधिकारियों ने कमिश्नरेट के तीनों जोन सिटी, ग्रामीण और ट्रांस हिंडन के डीसीपी स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राहुल गांधी अपने सांसदों के साथ संभल कूच न कर पाए। इस दौरान कई स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाई जाएगी, तो वही सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मियों को वाहनों की सघन चेकिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। डीपी ट्रांस हिंडन और एसीपी इंदिरापुरम पुलिस बल के साथ यूपी गेट पर वाहनों की जांच और नेताओं पर निगरानी रखने का काम करेंगे। तो वही डीसीपी ग्रामीण और लोकल इंटेलीजेंस के अधिकारियों को भी अलर्ट मोड पर रखा जाएगा।

कांग्रेसी आज दिखाएंगे राहुल के सामने ताकत

करंट क्राइम : कांग्रेस के महानगर व जिलाध्यक्ष अपनी ताकत दिखाने के लिए राहुल गांधी के सामने प्रदर्शन कर सकते हैं। बड़ी संख्या में कार्यकताओं को यूपी गेट पर बुधवार को मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कांग्रेस के पदाधिकारियों को अपने साथ भीड़ जुटाना के लिए भी कहा गया है। उधर यूपी गेट व दिल्ली बॉर्डर पर किसी तरह की स्थिति ना बिगड़े, इसके लिए भारी संख्या में पुलिस बल और दिल्ली पुलिस से भी कोऑर्डिनेशन किया जा रहा है।

एमएलसी दिनेश गोयल आज कार्यकर्ताओं के साथ देखेंगे फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट'

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा एमएलसी दिनेश गोयल आज भाजपा कार्यकताओं के साथ 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म देखेंगे। इसके लिये उन्होंने वीवीआईपी मॉल का ओडी-वन हॉल बुक कराया है। एमएलसी दिनेश गोयल आज दोपहर डेढ बजे भाजपा कार्यकताओं के साथ साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखेंगे। एमएलसी दिनेश गोयल ने कहा कि यह फिल्म प्रत्येक व्यक्ति को देखनी चाहिए। तथ्यों पर आधारित इस फिल्म में सही सच्चाई से अवगत कराया गया है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म को कार्यकताओं ने पसंद किया है।

कांग्रेस ने दी है वार्ड वाले चुनाव में भाजपा के सामने ललकार

घोषित कर दिए मंगलवार को दोनों वार्डों के उम्मीदवार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शहर विधानसभा उपचुनाव के बाद अब वार्ड में उपचुनाव हो रहे हैं। वार्ड 21 वार्ड 19 में उसने अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। सबसे खास बात ये है कि शहर विधानसभा उपचुनाव में सहयोगी मोड पर रहने वाली कांग्रेस वार्ड वाले उपचुनाव में पूरी तरह से अलर्ट होकर आई है। यहां भले ही साइकिल ने चुनाव को लेकर स्टेंड लगा दिया हो और साइड में साइकिल खड़ी कर दी हो। यहां भले ही बसपा के हाथी ने हुंकार नहीं भरी हो, लेकिन यहां कांग्रेस ने भाजपा को दोनों ही वार्डों में चुनावी ललकार दी है।

कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। कांग्रेस के उम्मीदवारों को लेकर दैनिक करंट क्राइम ने मंगलवार को ही संकेत दे दिये थे कि यहां वार्ड 19 में रेखा मकवाना का नाम आयेगा, भोवापुर को लेकर बता दिया था कि यहां सपोर्ट वाला सीन बनेगा और अगर सहमति नहीं बनी तो फिर कांग्रेस उम्मीदवार उतारेगी। कांग्रेस के दोनों उम्मीदवार मैदान में आ गए हैं। कांग्रेस ने मंगलवार को वार्ड 21 पर ओमप्रकाश और वार्ड 19 में रेखा मकवाना के नाम की घोषणा की।

कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी ने दोनों उम्मीदवारों के गले में माला डाली, उन्हें पार्टी का सिंबल दिया, विक्ट्री का निशान बनाया और फिर उम्मीदवारी की घोषणा की। अब सवाल यही है कि जो कांग्रेस विधानसभा उपचुनाव से दूर रहेगी वो वार्ड के उपचुनाव में ताल ठोंक रही है। कांग्रेस ने एक तरह से ये ऐलान किया है कि वो हर मुकाबले में भाजपा के सामने आएगी। बड़ी बात ये है कि क्या कांग्रेस यहां जीत वाला हाथ लहराएगी। क्योंकि निगम में कभी उसके पास 16 सीटें हुआ करती थीं और अब तीन का सीन चल रहा है। अब कांग्रेस के दो उम्मीदवार मैदान में हैं और यहां कांग्रेस को कितना साथ मिलता है ये देखने की बात है। कांग्रेस वार्ड के चुनाव में पूरी ताकत लगाएगी।

एलएसी पर शांति बहाली के बाद

सीमा विवाद सुलझाने पर जोर जयशंकर ने लोकसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली। लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारत-चीन सीमा विवाद पर जानकारी देते हुए कहा कि, एलएसी पर हालात सामान्य है। फिलहाल शांति बहाली की कोशिश जारी है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि, सीमा पर हालात सुधारने के लिए दोनों देश प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि, कोई भी पक्ष स्थिति से छेड़छाड़ नहीं करेगा और सहमति से ही सभी मसलों का समाधान किया जाएगा। चीन से बातचीत के बारे में जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि, सीमा पर हालात सामान्य होने के बाद ही चीन से बातचीत की गई है।

एलएसी पर बहाली के लिए सेना को श्रेय- विदेश मंत्री

विदेश मंत्री ने कहा कि, एलएसी पर बहाली का पूरा श्रेय सेना को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि, कूटनीतिक पहल से सीमा

पर हालात सामान्य हुए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के बीच सहमति बनी है कि यथास्थिति में एकतरफा बदलाव नहीं किया जाएगा और साथ ही दोनों देशों के बीच पुराने समझौतों का पालन किया जाएगा। सीमा पर शांति के बिना भारत-चीन के संबंध सामान्य नहीं रह सकते।

'सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए दशकों तक बातचीत'

लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, मैं सदन को भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में हाल के कुछ घटनाक्रमों और हमारे समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर उनके प्रभावों से अवगत कराना चाहता हूं। सदन को पता है कि 2020 से हमारे संबंध असामान्य रहे हैं, जब चीनी कार्रवाइयों के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द भंग हुआ था। हाल के घटनाक्रम जो तब से हमारे निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव को दशार्ते हैं, ने हमारे संबंधों को कुछ सुधार की दिशा में स्थापित किया है। भारत और चीन ने सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए कई दशकों तक बातचीत की है। सीमा विवाद के समाधान के लिए निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य रूपरेखा पर पहुंचने के लिए द्विपक्षीय चर्चा की गई।

पार्षदों ने नगर आयुक्त के साथ की मुलाकात

सफाई व्यवस्था सुदृढ़ बनाने तथा विकास कार्यों को लेकर की चर्चा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वार्ड संख्या 34 मोहन नगर जोन, वार्ड संख्या 22 सिटी जोन व वार्ड संख्या 9 सिटी जोन से जनप्रतिनिधियों तथा क्षेत्रीय पार्षदों द्वारा नगर आयुक्त गाजियाबाद से मुलाकात की गई जिसमें नगर आयुक्त के समक्ष सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें जन समस्याओं के साथ साथ पार्षदों द्वारा क्षेत्र हित में समाधान पर भी अपने सुझाव दिए।

राकेश मार्ग जीटी रोड कोटगांव तथा लाल कुआं इंडस्ट्रियल एरिया के आसपास के क्षेत्र में विनिल दत्त पार्षद द्वारा सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए

समाधान के लिए डीएम ने विभागीय अधिकारियों को कार्रवाई के दिए निर्देश

सफाई कर्मी बढ़ाने के लिए सुझाव दिया गया। पटेल नगर शिवानपुरा आर्य नगर क्षेत्र में निर्माण कार्य ग्रैप के बाद करने हेतु कार्यकारिणी सदस्य पार्षद शीतल द्वारा विषय रखा गया। वार्ड संख्या 34 अप्सरा बॉर्डर के आसपास प्रकाश व्यवस्था को और अधिक मजबूती देने के लिए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि कल्लन द्वारा अपना विषय रखा गया, इसके अलावा इंदिरापुरम कौशांबी तथा मोहन नगर क्षेत्रवासियों ने भी अपना विषय नगर आयुक्त की समक्ष रखा जिस पर संबंधित सभी विभागीय अधिकारियों को नगर आयुक्त द्वारा तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए तथा विकास कार्यों को रफ्तार देने के लिए कार्य योजना तैयार रखने के लिए कहा गया।

जनसमस्याओं के साथ-साथ समाधान पर भी सुझाव दे रहे हैं पार्षद : नगर आयुक्त

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम अधिकारी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यवाही कर रहे हैं। वहीं जन समस्याओं के समाधान को लेकर क्षेत्रीय पार्षदों द्वारा भी प्रतिदिन अपने सुझाव अपने क्षेत्र हित में दिए जा रहे हैं, जिन पर अमल करने के लिए भी गाजियाबाद नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है। विषय उद्यान विभाग निर्माण विभाग जलकल विभाग या क्षेत्र के अवैध अतिक्रमण का हो सभी में शहर हित को देखते हुए क्षेत्रीय पार्षदों द्वारा अपनी विशेष भूमिका निभाई जा रही है। पार्षदों के सुझावों पर निगम अधिकारियों को कार्य करने के लिए भी कहा गया है जिसके क्रम में जन-जन तक गाजियाबाद नगर निगम की सुविधाओं को मुहैया कराया जा रहा है।

यूपी में बिजली की दरों पर पूर्व सीएम का डबल इंजन की सरकार पर तंज

दिल्लीवालों सोच समझ कर वोट देना : केजरीवाल

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में बिजली की दरों को बढ़ाने के मामले पर अरविंद केजरीवाल ने भाजपा की डबल इंजन सरकार को घेरा और एक्स पर लिखा कि डबल इंजन सरकार बिजली की दरें बढ़ाने जा रही हैं। इसलिए सोच समझकर वोट देना।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्वी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश में बिजली की दरों को बढ़ाने पर भाजपा पर निशाना साधा है। एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने लिखा कि यूपी की डबल इंजन की भाजपा सरकार बिजली की दरों में बड़ी भारी वृद्धि करने जा रही है। मेरे प्यारे दिल्लीवासियों, सोच समझ कर दिल्ली में वोट देना। अगर इन्हें वोट दे दिया तो दिल्ली में बिजली बिल भरने में पूरे महीने की कमाई चली जाएगी।

डबल इंजन की बीजेपी सरकार बिजली की दरों में बड़ी भारी वृद्धि करने जा रही है। मेरे प्यारे दिल्लीवासियों, सोच समझ कर दिल्ली में वोट देना। अगर इन्हें वोट दे दिया तो दिल्ली में बिजली बिल भरने में पूरे महीने की कमाई चली जाएगी। जानकारी के लिए बता दें कि पावर कॉर्पोरेशन ने बिजली निगमों की ओर से 30 नवंबर की शाम वर्ष 2025-26 का वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) का मसौदा नियामक आयोग में दाखिल कर दिया है।

इसमें करीब 12800 से 13 हजार करोड़ का गैप (घाटा) दिखाया गया है। आयोग ने इस मसौदे को स्वीकृति दी तो प्रदेश में बिजली दरें करीब 15 फीसदी बढ़ सकती हैं। विद्युत निगमों की ओर से दाखिल किए गए मसौदे में वार्षिक राजस्व आवश्यकता यानी बिजली दर का मसौदा करीब एक लाख 16 हजार करोड़ रुपया दिखाया गया है। इसमें करीब 12 हजार 800 करोड़ का गैप दिखाते हुए आयोग से इसकी भरपाई की गुहार लगाई गई है। वर्ष 2025 -26 के लिए 16 हजार करोड़ यूनिट बिजली की आवश्यकता बताई गई है। कुल बिजली खरीद की लागत लगभग 92 हजार से लेकर 95 हजार करोड़ के बीच है।

पिछले साल 11 हजार करोड़ का बताया था घाटा

पिछले वर्ष कार्पोरेशन ने दाखिल किए गए एआरआर में 11 से 12 हजार करोड़ का गैप (घाटा) बताया था। 13.06 प्रतिशत लाइन हानियां दिखाई थी। कुल लागत लगभग 80 हजार करोड़ से 85 हजार करोड़ के बीच में आंकी थी। इसके पहले वर्ष 2023-24 में लगभग 92 हजार 547 करोड़ का वार्षिक राजस्व आवश्यकता दाखिल की गई थी।

दलित प्रेरणा स्थल पर किसानों का हंगामा, नोएडा पहुंच रहे राकेश टिकैत, फिर लगा लंबा जाम

नई दिल्ली। दिल्ली नोएडा बॉर्डर के पास दलित प्रेरणा स्थल से किसानों को पुलिस ने जबरन हटाया। कई किसान हिरासत में लिए गए। वहीं किसान नोएडा प्राधिकरण में कुछ किसान घुस गए। जिन्हें पुलिस ने बल पूर्वक निकाला। नोएडा में राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर प्रदर्शन कर रहे किसानों को पुलिस ने हिरासत में लिया। यहां से किसानों को जबरन हटाया जा रहा है। जिसकी वजह से सड़क पर लंबा जाम लग गया है। वहीं किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि वह दो घंटे में नोएडा पहुंच रहे हैं।

नोएडा प्राधिकरण में घुसे किसान

वहीं दूसरी तरफ नोएडा प्राधिकरण में कुछ किसान घुस गए। जिन्हें पुलिस ने बाहर निकाला है। पुलिस एक किसान को पकड़ कर ले गई है। इससे अब किसानों में आक्रोश है।

दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं

दिल्ली-यूपी चिल्ला बॉर्डर पर पुलिस और आरएएफ की तैनाती की गई हैं। पूर्वी दिल्ली पुलिस उपायुक्त अपूर्व गुप्ता ने बताया कि कुछ किसान संगठनों के बारे में पहले से जानकारी मिली है कि उन्होंने दिल्ली मार्च की घोषणा की है। संसद सत्र चालू होने के कारण उन्हें इस विरोध प्रदर्शन के लिए दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई कानून-व्यवस्था की स्थिति को खराब न करें। पूर्वी जिला पुलिस नोएडा पुलिस के साथ समन्वय कर रहे हैं। इस समय दिल्ली-यूपी के सभी बड़े-छोटे स्थानों पर पुलिस बल तैनात है।

किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस रही अलर्ट

नोएडा की सड़कों पर किसानों के उतरने से दिल्ली के सीमावर्ती इलाकों में जाम लग गया। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस अलर्ट रही। सोमवार सुबह से ही नोएडा से लगी सभी सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी गई थी। इस दौरान बगैर जांच के वाहनों की आवाजाही मुमकिन नहीं थी। नतीजतन नोएडा लिंक रोड, डीएनडी, कालिंदी कुंज बॉर्डर जाम रहे। सड़कों पर फंसे वाहन चालकों का पसीना छूटा। सप्ताह के के पहले कार्य दिवस पर लोगों को दफ्तर पहुंचने में लेटलतीफी का सामना करना पड़ा। इससे पहले किसानों के दिल्ली कूच को देखते हुए गौतम बुद्ध नगर, नोएडा से दिल्ली को जोड़ने वाली सभी सीमाओं पर बैरियर लगा दिए गए थे। इससे सीमाओं पर सोमवार सुबह ही जाम लगना शुरू हो गया था। नोएडा लिंक रोड, डीएनडी रूट, कालिंदी बॉर्डर समेत कई मार्गों पर भारी ट्रैफिक जाम देखने को मिला।

इंदिरापुरम मंडल संगठन पर्व कार्यशाला का हुआ आयोजन

गाजियाबाद करंट क्राइम। मंगलवार को इंदिरापुरम मंडल संगठन कार्यशाला काआयोजन रॉयल पार्क होटल, इंदिरापुरम में किया गया। इस कार्यशाला में वरिष्ठ भाजपा नेता बलदेव राज शर्मा, नवनिर्वाचित विधायक संजीव शर्मा और मंडल अध्यक्ष हरमीत बक्शी उपस्थित रहे। कार्यशाला में वरिष्ठ नेता बलदेव राज शर्मा ने संगठन चुनाव के मुख्य बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। विधायक संजीव शर्मा ने कार्यकताओं को मजबूत बूथ अध्यक्ष और बूथ समितियां बनाने के महत्व पर बल देते हुए निर्वाचित बूथ अध्यक्षों के सम्मान पर विशेष ध्यान देने की बात कही। मंडल अध्यक्ष हरमीत बक्शी ने संगठन की महत्वता पर प्रकाश डाला। विधायक संजीव शर्मा के इंदिरापुरम मंडल में प्रथम आगमन पर कार्यकताओं में बहुत जोश था और सभी ने उनका का बहुत गर्म जोशी से स्वागत कर किया। विधायक संजीव शर्मा ने अपने उपचुनाव में कार्य करने के लिए इंदिरापुरम के सभी कार्यकताओं का धन्यवाद दिया और उन पर पुष्प वर्षा करके उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंडल महामंत्री देवाशीष दत्ता और अनिल कटारिया, पार्षद अनिल तोमर, हरीश कडाकोटी, धीरज अग्रवाल, प्रीति जैन, मंडल आईटी संयोजक प्रयाम सक्सेना, सोशल मीडिया संयोजक धीरज शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीवर लाइन के मेनहॉल का ढक्कन टूटा, हादसे का खतरा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। रामप्रस्था कॉलोनी के मुख्य गेट नंबर 6 में सीवर लाइन के मैनहोल का ढक्कन बीते कई दिनों से पूरी तरह टूटा हुआ है। जिसमें कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। जिसकी शिकायत नगर निगम कर्मचारियों को लिखित व मौखिक रूप से की जा चुकी है, परंतु स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है।

आरडब्लूए अध्यक्ष कवलजीत सिंह ने बताया कि निगम विभाग की लापरवाही के चलते कई दिनों से सीवर का ढक्कन टूट गए हैं। कभी भी बहुत बड़ा हादसा हो सकता है, शिकायत के बाद भी कई सुने को तैयार नही है।

उत्तरांचल क्लब वेलफेयर एसोसिएशन ने किया भगवती जागरण का आयोजन

गाजियाबाद करंट क्राइम। उत्तरांचल क्लब वेलफेयर एसोसिएशन लाइन पार क्षेत्र विजय नगर प्रताप विहार गाजियाबाद ने प्रताप विहार सेक्टर 11 गढ़वाली रामलीला पार्क में मां भगवती के 25 वें विशाल भगवती जागरण समारोह का आयोजन किया गया। डॉक्टर प्रीतम भरतवान राष्ट्रपति पद्म भूषण सम्मानित जागरण सम्राट उत्तराखंड की टीम ने माता रानी का गुणगान किया। जिसमें उत्तराखंड समाज की जनता के साथ क्षेत्र की जनता ने लिया भरपूर आनंद लिया।

मुख्य अतिथि एवं सहयोगी सच्चिदानंद शर्मा राज्य मंत्री अध्यक्ष उत्तराखंड समाज रहे। डॉक्टर शिवानंद डंगवाल वरिष्ठ चिकित्सक एवं वरिष्ठ समाजसेवी, प्रीतम लाल, संतोष सिंह राणा पार्षद वार्ड नंबर 55 नगर निगम गाजियाबाद, तेजस चौहान, राजेश शर्मा आरटीवी के डायरेक्टर, प्रेमचंद सती वरिष्ठ समाजसेवी, एवं बड़ी संख्या में समाजसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद रहे। समिति के संयोजक भगत सिंह मनराल, के0एन0 डंगवाल वरिष्ठ सलाहकार द्वारा मंच संचालन कर सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया।

संरक्षक रोशन लाल नौटियाल को समिति में मुख्य सहयोग के लिए समिति ने उनका सम्मान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष सुभाष चंद्र खंडूरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश खंतवाल , महासचिव बलत सिंह रावत, उपाध्यक्ष अतुल शर्मा, कोषाध्यक्ष संजय राणा, संरक्षक प्रकाश पंत, संरक्षक हुकम सिंह पवार, सलाहकार बद्री प्रसाद उनियाल, घनश्याम उनियाल, नरेंद्र उनियाल, सुंदरलाल गौड़, महिपाल सिंह रावत, गुलाब सिंह राणा, गणेश राणा, गामाराम रतूड़ी, धनराज सिंह नेगी, दीपक रावत, दिगंबर सिंह रावत, हर्ष खंन ली, नरेंद्र गॉड, यतेंद्र सिंह रावत, जय देव गॉड, हिमांशु वर्तवाल, राकेश गॉड, मातृशक्ति प्रभारी आयुषी जुयाल, मातृशक्ति संगठन प्रभारी कलावती रावत, पंकज नेगी, मंगल सिंह राणा, मेंपत सिंह रावत, विक्रम सिंह नेगी, रोशन नौटियाल, रोशन जुयाल, शैलेंद्र नौटियाल, हरेंद्र सिंह रावत, राजेश रतूड़ी, विनय पाल पडियार, सुशील गौड़, मनवीर सिंह रागढ़ मुख्य रूप से मौजूद रहे।

दिल्ली की सड़कों पर उतरेंगी 150 मोहल्ला बस

मुख्यमंत्री आतिशी ने किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली में रहने वाले लोग जो ऑफिस जाने के लिए डीटीसी बसों का प्रयोग करते हैं, उन्हें दिल्ली सरकार ने मोहल्ला बस का तोहफा दिया है। 9 मीटर की इन छोटी बसों को लास्ट माइल कनेक्टिविटी के तहत शुरू किया जा रहा है। मंगलवार को मुख्यमंत्री आतिशी ने 150 मोहल्ला बसों का निरीक्षण किया। 9 मीटर की ये ध्वनिरहित बसें भीड़भाड़ वाले इलाकों के लिए बनाई गई हैं, इनका ट्रायल पहले ही पूरा हो चुका है। बसों का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा है कि दिल्ली की अनूठी मोहल्ला बसें 9 मीटर लंबी इलेक्ट्रिक लो-फ्लोर बसें हैं। 150 बसों का पहला जत्था आ चुका है। ये बसें तैयार हैं और दो रूटों पर इनका ट्रायल भी हो चुका है। आज हम इन बसों और इनके चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का निरीक्षण करने आए हैं। एक बार जब ये 150 बसें दिल्ली की सड़कों पर आ जाएंगी, तो ये मोहल्ला बसों के रूप में काम करेंगी, जो 9 मीटर लंबी हैं और भीड़भाड़ वाले इलाकों तक पहुंच सकती हैं, जहां 12 मीटर की बड़ी इलेक्ट्रिक

और सीएनजी बसें नहीं जा सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार ने यह पहल की है। दिल्ली में परिवहन हमेशा से एक समस्या रही है, खासकर लास्ट-माइल कनेक्टिविटी। मेट्रो का काफी विस्तार हुआ है, लेकिन मेट्रो स्टेशन से घर पहुंचना दिल्लीवासियों के लिए एक बड़ी समस्या बनी हुई है। लास्ट-माइल कनेक्टिविटी समस्या को दूर करने के लिए दिल्ली भर में 2,000 से अधिक ऐसी मोहल्ला बसें चलाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि एम्स, आईएएनए, गोविंदपुरी जैसे इलाकों को इस मोहल्ला बसों से कवर किया जाएगा।

अदाणी मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में दरार, कांग्रेस के प्रदर्शन से नदारद दिखी एसपी-टीएमसी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के सातवें दिन अदाणी मामले पर विपक्ष ने लोकसभा से वॉकआउट किया। उसके बाद संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन करने लगे। इस प्रदर्शन में इससे समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस नजर नहीं आई। संसद के शीतकालीन सत्र के सातवें दिन मंगलवार को भी हंगामा जारी रहा। दरअसल, अदाणी मामले पर विपक्ष ने लोकसभा से वॉकआउट किया। उसके बाद संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन करने लगे। विपक्षी दलों के सांसदों के हाथ में 'मोदी-अदाणी एक हैं' और 'भारत अदाणी के खिलाफ जवाबदेही की मांग करता है', लिखी तख्तियां दिख रही थीं। इस प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी शामिल हुए। हालांकि, इससे समाजवादी पार्टी (एसपी) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दूरी बना ली है। ऐसे में सरकार के खिलाफ विपक्ष बिखरता नजर आया। इस दूरी ने एक बार फिर इंडिया गठबंधन में आई दरार को सामने ला दिया।

सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध कर रहे: थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। हम सदन के अंदर प्रदर्शन नहीं कर सकते इसलिए हमने संसद परिसर में विरोध किया है। टीएमसी के न शामिल होने पर कहा उन्होंने, 'हमारे बीच अबतक और मामलों में सही समन्वय चल रहा है। उनको पता है बंगाल में हम लोग एक साथ नहीं है। इसलिए शायद वह इस विषय पर भी अलग हैं। संसद में किस विषय पर बात होगी यह सरकार तय करेगी। मगर विपक्ष और कोई रास्ता निकाल लेगा अपने विषयों पर बात करने का।'

विपक्षी पार्टियों में क्यों है मतभेद?

25 नवंबर से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र में लगातार गतिरोध बना हुआ है। कांग्रेस पार्टी का पूरा फोकस अदाणी मामले को लेकर है, लेकिन समाजवादी पार्टी संभल हिंसा पर चर्चा की मांग कर रही है। इससे पहले सोमवार को संसद की कार्यवाही से पहले इंडिया ब्लॉक के नेताओं की मुलाकात राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे से हुई थी, जिसमें राहुल गांधी तो शामिल हुए थे, लेकिन टीएमसी का कोई सांसद नहीं पहुंचा था।

क्या चाहती है टीएमसी

दरअसल तृणमूल कांग्रेस चाहती है कि सदन में महंगाई, बेरोजगारी, किसान, उर्वरक, विपक्षी राज्यों को मिलने वाले पैसे में कटौती और मणिपुर जैसे मुद्दों को लेकर चर्चा हो। वहीं कांग्रेस चाहती है कि अदाणी मुद्दे पर ही चर्चा हो। कांग्रेस के रूख से सपा भी किनारा करती दिख रही है। वहीं अन्य विपक्षी दल भी चाहते हैं कि किसान, संभल और मणिपुर जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो। यानि विपक्षी दलों में टीएमसी का रुख साफ है कि संसद में सभी मुद्दों पर चर्चा हो, कमोबेश ऐसा ही कुछ समाजवादी पार्टी भी चाहती है।

सपा का क्या कहना है

सपा सांसदों ने आज लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और संभल मुद्दे पर चर्चा का अनुरोध किया। सपा नेताओं के अनुसार अदाणी का मुद्दा संभल जितना बड़ा नहीं है। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि हमारे लिए अदाणी से बड़ा मुद्दा किसान हैं। यानि कांग्रेस भले ही अदाणी की रट लगाए बैठी हो, मगर विपक्ष के कई दल और भी मुद्दों पर बहस करना चाहते हैं। सपा की सांसद इकरा हसन ने कहा, 'अदाणी मुद्दे पर चर्चा महत्वपूर्ण है। हालांकि, चूंकि पांच लोगों की मौत हो गई है, इसलिए संभल समाजवादी पार्टी के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता वाला मुद्दा बन गया है।'

रेणुका चौधरी के बयान पर भी बवाल

इस बीच कांग्रेस नेता रेणुका चौधरी के एक बयान पर विवाद हो गया है। चौधरी ने कहा, 'हमारी तरफ से कोशिश है कि सदन की कार्यवाही सुचारू ढंग से चले क्योंकि जनता ने हमें चुनकर संसद भेजा है और वे चाहते हैं कि हम उनकी आवाज को यहां बुलंद करें। अगर सरकार सदन चलाना चाह रही है तो चलेगा, अगर वह नहीं चलाना चाह रही है तो नहीं चलेगा। सब समझते है कि ये षडयंत्र क्या है।'

चौधरी ने कहा कि सदन चलाना हमारी जिम्मेदारी नहीं है बल्कि कुर्सी पर बैठे लोगों की जिम्मेदारी है। अगर वे लायक हैं तो चलाएंगे, नालायक हैं तो नहीं चलाएंगे।

कांग्रेस सांसद ने यह दी सफाई

अदाणी मामले चल रहे विरोध में टीएमसी के शामिल ना होने पर कांग्रेस राज्यसभा सांसद नासिर हुसैन ने कहा, 'जो मुद्दे हम सबने तय किए थे उन पर हम चाहते हैं कि बात हो। इसके लिए हम आने वाले समय में और बात करेंगे। हम चाहते हैं सदन चले और बात हो। बांग्लादेश के मुद्दे पर भी बात होनी चाहिए। वहां अल्पसंख्यकों को सुरक्षा मिलनी चाहिए।'

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर पीएम मोदी का खास संदेश

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को खास संदेश लिखा है। उन्होंने कहा कि आज जब पैरालंपिक का मेडल सीने पर लगाकर, मेरे देश के खिलाड़ी मेरे घर पर पधारते हैं, तो मेरा मन गौरव से भर जाता है। हर बार जब 'मन की बात' में मैं अपने दिव्यांग भाई-बहनों की प्रेरक कहानियों को आपके साथ साझा करता हूं, तो मेरा हृदय गर्व से भर जाता है। पीएम मोदी ने अपनी वेबसाइट पर लिखे लेख में दिव्यांगों को बड़ा संदेश देते हुए लिखा," आज 3 दिसंबर का महत्वपूर्ण दिन है। पूरा विश्व इस दिन को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के रूप में मनाता है। दिव्यांगजनों के साहस, आत्मबल और उपलब्धियों को नमन करने का विशेष अवसर होता है। भारत के लिए ये अवसर एक पवित्र दिन जैसा है। दिव्यांगजनों का सम्मान भारत की वैचारिकी में निहित है।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं खुशी उर्फ शहनाज खातून पुत्री मोहम्मद रज्जाक निवासी आर 1,जल निगम, सेक्टर 1, राज नगर, गाजियाबाद मैंने अपना नाम शहनाज खातून से बदलकर खुशी उर्फ शहनाज खातून रख लिया है भविष्य में मुझे मेरे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

करंट क्राइम ट्वीट का कट

भाजपा महानगर अध्यक्ष पद पर जनप्रतिनिधियों की राय को लेकर है सस्पेंस

सांसद से लेकर विधायक तक खामोश, बिखरा सा दिख रहा है एकजुटता का जोश

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा में मंडल अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शहर को नया विधायक मिल गया है और अब सबसे ज्यादा चर्चा जिस पद को लेकर है वो भाजपा का महानगर अध्यक्ष पद है। 15 दिसंबर तक मंडल के चुनाव हो जाएंगे। माना ये जा रहा है कि भाजपा को नया महानगर अध्यक्ष जनवरी में मिल जाएगा। फिलहाल बूथ अध्यक्षों के दरवाजे पर ढोल बज रहा है, नेम प्लेट लग रही है, मगर एक ढोल उन दिमागों में भी बज रहा है जो महानगर अध्यक्ष पद के दावेदार हैं। उनके भी मन में ये चल रहा है कि कब अध्यक्ष वाली नेम प्लेट घर के बाहर लगेगी। संजीव शर्मा के शहर विधायक बनने के बाद महानगर अध्यक्ष पद का क्रेज बढ़ गया है।

कई चेहरे कुर्सी की दौड़ में हैं, लेकिन यहां पहले ये चर्चा जनरली होती थी कि किसी भी बात पर एक राय होने में सबसे बड़ी हर्डल ये है कि विधायकों की साहब से नहीं बनती है, अब तो सांसद विधायक टोला एक है, लेकिन ये चर्चा क्यों चल रही है कि अध्यक्ष पद को लेकर जनप्रतिनिधि सस्पेंस में हैं। वो इस मुद्दे पर खामोश हैं और ऐसा लग रहा है कि जैसे एकजुटता का जोश बिखर गया है। एक राय नहीं है और एक नाम पर सहमति नहीं बन रही है। बताया जाता है कि सबके अपने अपने नाम हैं और ये सब नाम दिल में हैं जुबान पर नहीं है। अध्यक्ष को लेकर जनप्रतिनिधि एक राय नहीं दिख रहे हैं। जनप्रतिनिधियों की राय को लेकर सस्पेंस बना हुआ है और दावेदार भी सस्पेंस बनाकर चल रहे हैं।

अध्यक्ष वाले सीन से सांसद अतुल गर्ग ने बना रखा है डिस्टेंस

करंट क्राइम। भगवा गढ़ की राजनीति के नए पावर सेंटर के रूप में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग उभरे हैं। वो लोकसभा सांसद हैं और दिल्ली प्रदेश के सहप्रभारी हैं। चंडीगढ़, बिहार से लेकर सदस्यता अभियान की उनके कंधों पर जिम्मेदारी है। चूंकि अतुल गर्ग लोकसभा सांसद हैं इसलिए यहां संगठन के पद को लोकर विधानसभा से लेकर वार्ड के टिकट तक उनकी राय सबसे अहम है। सूत्र बताते हैं कि उपचुनाव में भी सबकी राय एक नहीं थी, लेकिन यहां अतुल गर्ग के आशीर्वाद ने संजीव शर्मा को चुनावी वरदान दिलवा दिया और संजीव शर्मा के व्यवहार ने एक बड़ी भूमिका बनाई। संजीव शर्मा अब विधायक हैं और सूत्र बताते हैं कि महानगर अध्यक्ष वाले गेम से सांसद अतुल गर्ग ने खुद को अलग किया हुआ है। वो अध्यक्ष वाले सीन से डिस्टेंस बनाकर चल रहे हैं। अभी तक इस खेमे से कोई नाम चर्चा तक में नहीं आया है और किसी नाम को लेकर उन्होंने कोई संदेश भी नहीं दिया है। हालांकि अतुल गर्ग खुद को न्यूट्रल गियर में दिखा रहे हैं, लेकिन नेक्स्ट ईयर में जब ताजपोशी का गियर बदलेगा तो यहां अतुल गर्ग का रोल दिखाई देगा। वो सांसद हैं और बिरादरी प्रेशर भी हो सकता है। वैश्य समाज की भागीदारी को लेकर भी सवाल उठ सकता है, लेकिन ये तय है कि सांसद की संस्तुति के बिना कुर्सी पर ताजपोशी नहीं होगी।

विधायक अजीतपाल नहीं बोले और अपने पत्ते भी नहीं खोले

करंट क्राइम। अगर भगवा गढ़ की राजनीति की बात की जाए तो मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी एक ऐसे विधायक हैं जो सियासत को जीते हैं। पॉलिटिक्स उनके व्यक्तित्व का हिस्सा है और विधानसभा क्षेत्र के एक-एक गांव, एक-एक मोहल्ला और बूथ की उन्हें जुबानी जानकारी है। जबरदस्त होमवर्क है और राजनीति के इस खेल में वो सबको फेल कर देने की क्षमता रखते हैं। महानगर अध्यक्ष पद पर सस्पेंस की बात करें तो वो इस मुद्दे पर अभी तक नहीं बोले हैं। उन्होंने इस पूरे गेम में अपने पत्ते भी नहीं खोले हैं, लेकिन इतना भी तय है कि अध्यक्ष पद पर जो भी नाम आएगा वो मुरादनगर विधायक का आशीर्वाद लेकर ही आएगा।

एक विधायक कर रहे हैं ओबीसी चेहरे की पैरवी

करंट क्राइम। महानगर अध्यक्ष पद के लिये भले ही वैश्य फैक्टर पर बात होती रहे, ब्राह्मण फैक्टर पर बात होती रहे और ये चर्चा चलती रहे कि कौन किसकी पैरवी कर रहा है। सूत्र बताते हैं कि एक विधायक महानगर अध्यक्ष पद के लिये एक ओबीसी चेहरे की पैरवी पूरी ताकत से कर रहे हैं। इस चेहरे के लिये विधायक जोर भी लगा रहे हैं।

मेयर सुनीता दयाल, एमएलसी दिनेश गोयल का सीन है पैरवी से उदासीन

करंट क्राइम। मेयर सुनीत दयाल निगम की मुखिया हैं। निगम के सभी विषयों पर अपडेट रहती हैं। वो प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं और एक लंबा राजनीतिक अनुभव है, लेकिन महानगर अध्यक्ष वाली पैरोकारी वाले सीन में उनका लहजा उदासीन है। संगठन जिसे भी अध्यक्ष बनाएगा उसी के नेतृत्व में काम करने वाला अंदाज है। इसी तरह एमएलसी दिनेश गोयल भी ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर वाले सीन में चल रहे हैं। एमएलसी दिनेश गोयल का पहले भी ये अंदाज रहा है कि वो खुद को किसी भी प्रकार के पक्ष या विपक्ष वाले ठप्पे से अलग रखते हैं।

ब्राह्मण फैक्टर से ज्यादा है त्यागी फैक्टर पर जोर

करंट क्राइम। महानगर अध्यक्ष वाली दावेदारी के रण में ब्राह्मण फैक्टर से ज्यादा त्यागी फैक्टर पर जोर है। इसकी वजह भी यह बताई जा रही है कि हाल ही में शहर विधायक संजीव शर्मा ब्राह्मण समाज से चुने गए हैं। उससे पहले साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं लिहाजा अब ऐसे में अध्यक्ष पद पर ब्राह्मण फैक्टर से ज्यादा त्यागी फैक्टर की बात हो रही है। यहां पर त्यागी फैक्टर की बात करें तो बोबी त्यागी का नाम आता है। वो महानगर उपाध्यक्ष हैं और पार्टी के हर आयाम में, हर प्रोग्राम में उनकी सक्रिय भागीदारी रहती है। इसके अलावा भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष रहे प्रेम त्यागी का नाम भी चल रहा है। प्रेम त्यागी सौम्य व्यवहार के लिए जाने जाते हैं। यहां त्यागी फैक्टर में कई बार महामंत्री रह चुके राजेश त्यागी का भी नाम आता है। राजेश त्यागी पुराने कार्यकर्ता हैं और अनुभव के आधार पर उनकी भागीदारी बनती है।

वैश्य चेहरों में गोपाल अग्रवाल, मयंक गोयल, पवन गोयल का नाम

करंट क्राइम। वैश्य फैक्टर को महानगर अध्यक्ष पद की ताजपोशी वाले सीन में नकारा नहीं जा सकता है। हालांकि यहां मेयर वैश्य समाज से हैं, एमएलसी दिनेश गोयल वैश्य समाज से हैं, लेकिन ये मांग वैश्य समाज के भीतर ही उठ रही है कि अगर शहर सीट पर वैश्य के बदले वैश्य चेहरा नहीं आया है तो संगठन में भागीदारी मिलनी चाहिए। यहां पर महामंत्री गोलपाल अग्रवाल का नाम प्रमुखता से आता है। वो अपने कार्यकाल में पूरी तरह एक्टिव रहे हैं, समर्पित रहे हैं और कार्यकताओं से तालमेल बेहतर बताया जाता है। वैश्य चेहरों की बात करें तो यहां मयंक गोयल का नाम आता है। मयंक गोयल मूल भाजपा कार्यकर्ता हैं और वो लगातार विधानसभा की दावेदारी में रहे हैं। अनुभव के आधार पर उनकी अध्यक्ष पद पर दावेदारी बनती भी है। यहां वैश्य चेहरे की बात करें तो जीडीए बोर्ड सदस्य पवन गोयल के नाम को एग्नोर नहीं किया जा सकता है। पवन गोयल अनुभव, योग्यता और सक्रियता के पैमाने पर फिट बैठते हैं।

अगर आया ओबीसी नाम तो क्या ये होगे गोस्वामी मान

करंट क्राइम। ओबीसी फैक्टर पर चर्चा चल रही है तो कुछ तो बात है। बताया ये भी जाता है कि एक विधायक एक ओबीसी चेहरे की पैरवी कर रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि अगर यहां ओबीसी कार्ड चला गया तो फिर यहां मानसिंह गोस्वामी का भी नाम आ सकता है। मानसिंह गोस्वामी पूर्व में भी महानगर अध्यक्ष रहे हैं। यहां ओबीसी फैक्टर की बात करें तो महामंत्री पप्पू पहलवान के नाम पर भी चर्चा है और यदि इस चेहरे को भी कमांड मिल जाए तो कोई बड़ी हैरानी नहीं होनी चाहिए।

लैंडक्राफ्ट से निगम क्यों वसूल रहा है हाउसटैक्स: हिमांशु लव

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा के पूर्व पार्षद हिमांशु लव ने नगर आयुक्त को पत्र लिखा है और उन्होंने अपने पत्र में एनएच 24 स्थित लैंडक्राफ्ट सोसायटी पर लगाये गए हाउसटैक्स, वाटर टैक्स, सीवर टैक्स का मुद्दा उठाया है। हिमांशु लव ने कहा कि से सोसायटी अभी तक नगर निगम को हैंडओवर नहीं की गई और ऐसी कोई पॉलिसी नहीं है कि किसी भी सोसायटी को बिना हैंडओवर लिये नगर निगम किसी प्रकार का हाउसटैक्स, वाटर टैक्स या सीवर टैक्स लगाए। उन्होंने कहा कि सोसायटी के निवासी रख-रखाव के मद में संबंधित फर्म को मेंटीनेंस चार्ज का भुगतान कर रहे हैं। हिमांशु लव ने अपने पत्र में लिखा है कि अगर नगर निगम ये टैक्स वसूल रहा है तो वहां नगर निगम द्वारा क्या काम कराए जा रहे हैं। पूरी सोसायटी की सड़कें टूटी पड़ी हैं, रास्ते पर लाइटों की कोई व्यवस्था नहीं है। पार्क का रख-रखाव नगर निगम क्यों नहीं करता है। अगर नगर निगम कोई कार्य नहीं कर रहा है तो फिर वहां हाउसटैक्स, वाटर टैक्स, सीवर टैक्स क्यों वसूल रहा है। हिमांशु लव ने इस मुददे को उठाते हुए कहा कि है कि केवल इसी सोसायटी में ऐसा नहीं है बल्कि गाजियाबाद में कई अन्य सोसाइटियों से भी इसी प्रकार से नगर निगम द्वारा अवैध तरीके से वसूली की जा रही है।

महागुन मॉल सहित कई प्रतिष्ठानों पर होगी टैक्स वसूली की कार्रवाई

नगर निगम ने की मुनादी और चस्पा किये नोटिस

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम ने वसूली की रफ्तार बढ़ा दी है। नगर आयुक्त विक्रादित्य सिंह मलिक ने सभी जोनल प्रभारियों को अपने अपने जोन के अंतर्गत टैक्स वसूली के आदेश दिये हैं। इस कड़ी में वसुंधरा जोन में बड़ी कार्यवाही हुई है जहां महागुन मॉल के अंदर दुकानों पर बकाया वसूलने के लिये मुनादी कराई गई है। एक सप्ताह के भीतर सभी बाकायदारों को अपना टैक्स जमा कराने के लिये कहा गया है। महागुन मॉल में चल रही दुकानों पर लगभग एक करोड़ 85 लाख रुपए का बकाया है। मुनादी के बाद सभी दुकानदारों ने बकाया जमा करने के लिये आश्वस्त किया है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव द्वारा सभी करदाताओं से अपना हाउसटैक्स जमा करने की निरंतर अपील की जा रही है। जोनल प्रभारियों को भी आदेश दिये गये हैं कि समय से कर ना जमा करने वालों पर कार्यवाही की जाए।

महागुन मॉल से हुई दस लाख की वसूली और तीन प्रतिष्ठानों पर लगाए गए नोटिस

करंट क्राइम। जोनल प्रभारी वसुंधरा द्वारा बताया गया कि नगर आयुक्त के निर्देश पर महागुन मॉल वैशाली तथा साइट फोर के औद्योगिक क्षेत्र में हाउसटैक्स वसूली की कार्यवाही को रफ्तार दी गई है। महागुन मॉल से दस लाख की वसूली की गई है। इसके अलावा सूरज हींग, शिवशक्ति गैस प्राइवेट लिमिटेड, शिवम प्रोसेज पर कार्यवाही की गई है और इन फर्मों पर नोटिस चस्पा किये गये हैं।

क्यों उठ रही है वार्ड से लेकर भाजपा के भीतर ये आवाज

सिम्पैथी के साथ रहना चाहिए था भाजपा को प्रदीप चौहान के साथ

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 19 का उपचुनाव हो रहा है और इस उपचुनाव की त्रासदी ये रही है कि यहां से भाजपा नेता प्रदीप चौहान की पत्नी उर्मिला चौहान चुनाव जीती थीं और उनका निधन हो गया। उनके निधन के बाद ये सीट खाली हुई और ये कहा जा रहा था कि यहां भाजपा सिम्पैथी आधार पर प्रदीप चौहान की बेटी मानसी चौहान को टिकट देगी। वहीं सूत्र बताते हैं कि यहां से दावेदारी के दूसरे पक्ष में इस बात को रखा कि हर बार प्रदीप चौहान को ही क्यों, परिवारवाद की बात उठी और यहां इस कदर मोचाबंदी हुई की मौत के बाद सिम्पैथी का फैक्टर ही गौण हो गया। अब ये एक बात भाजपा के भीतर चल रही है और उस वर्ग का ये कहना है कि अगर बहुत समय की बात कर रहे हैं तो फिर प्रदीप चौहान के वो 38 साल भी गिने जाने चाहिए जो उन्होंने भाजपा को दिये हैं। वो बहुत समय से भाजपा का झंडा उठा रहे हैं। बहुत समय की बात चलेगी तो यहां बहुत समय से कोई सांसद है, कोई विधायक है। भाजपा की जिस पार्षद ने भाजपा का झंडा उठाते-उठाते ये दुनिया छोड़ दी वो उर्मिला चौहान भी दूसरी बार पार्षद रही हैं और सबसे बड़ी बात ये है कि उन्होंने इससे पहला चुनाव लहर में नहीं जीता था बल्कि प्रदेश में केंद्र में सरकारें और थीं तब वो भाजपा के टिकट पर चुनाव जीतकर निगम पहुंची थी। हालांकि इस पूरे मामले पर 38 साल पुराने भाजपाई प्रदीप चौहान खामोश हैं, वो रिएक्ट भी नहीं कर रहे हैं और पार्टी के निर्णय को सर्वोपरि बता रहे हैं, लेकिन उनके समर्थकों में इस फैसले के बाद मायूसी है। उनका कहना है कि 40 से जो व्यक्ति भाजपा का झंडा उठा रहा है, जिसने भाजपा के लिये हर चुनाव में झंडे भी लगाए और भाजपा के हर आंदोलन में संघर्ष में डंडे भी खाए, क्या उस चेहरे के लिये इतने बड़े दुख के बाद सिम्पैथी टिकट की भी गुंजाइश नहीं थी। 40 साल से जो व्यक्ति भाजपा के लिये काम कर रहा है, क्या वार्ड का टिकट इतना बड़ा हो गया था कि पार्टी नेतृत्व इसे सिम्पैथी से नहीं बदल सका। हालांकि भाजपा की बात करें तो यहां जिन अनिल कल्याणी की पत्नी रंजीता कल्याणी को टिकट मिला है वो भी भाजपा की कार्यकर्ता हैं और कार्यकर्ता को ही टिकट मिला है, मगर यहां एक थोड़ा सा फर्क केवल सिम्पैथी कार्ड को लेकर है। भाजपा के लोग मान रहे हैं कि सभी सहमति बनाकर लगभग दो साल का बचा हुआ कार्यकाल प्रदीप चौहान की पुत्री मानसी के लिये ही दे देते तो ये एक बड़े दिल का परिचायक होता। स्व. उर्मिला चौहान भी तो भाजपा की ही सिपाही थीं और उन्हें एक श्रद्धांजलि दी जा सकती थी। बहरहाल पार्टी संगठन ने अब उम्मीदवार घोषित कर दिये हैं और जहां भाजपा अपने शीर्ष नेतृत्व के फैसले का सम्मान करते हुए चुनाव लड़ाएगी।

'खोला पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने एक महीना पहले मोबाइल खोने का राज'

कहा, इंस्पेक्टर को छोड़कर किसी ने भी नहीं दिखाई थी शिष्टता

समाज का सभ्य व्यक्ति अपेक्षा करता है कि जब वह अपने काम से पुलिस के पास जाय तब उसके साथ सभ्य व्यवहार हो। बिना किसी भय के वह निर्भीकता से अपनी बात कह सके और उसे अपनी समस्या का समाधान न भी मिले तो उसे संतोषजनक भरोसा मिले।

अक्सर देखने में आता है कि कई पुलिस अधिकारी जनता में बड़ा सम्मान पाते हैं जो अपराधियों और गुंडों के साथ कड़ा व्यवहार करते हैं। उनकी सिंघम की छवि बन जाती है। अपराधी भी ऐसे पुलिस अफसरों से डरते हैं। कई अपराधी तो वह इलाका ही छोड़कर चले जाते हैं।

मुझे नहीं पता कि पुलिस ट्रेनिंग में व्यवहार के बारे में क्या सिखाया जाता है। लेकिन पुलिस को एक शिक्षक से ज्यादा शिष्ट होने की आवश्यकता है। पुलिस के सिपाही को सबसे ज्यादा मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। क्या पुलिस के दो चेहरे हो सकते हैं? एक शिष्ट और दूसरा खूंखार (डराने वाला) एक साथ दोनों चेहरे हो सकते हैं? वैसे दो चेहरे होना अच्छा नहीं माना जाता है। लेकिन पुलिस से लोग दोनों चेहरों की अपेक्षा करते हैं। पुलिस से समाज के दोनों तरह के लोगों से व्यवहार पड़ता है। समाज के शिष्ट और सभ्य लोग भी पीड़ित होने की दशा में पुलिस के पास आते हैं और अपराधियों से निपटना तो पुलिस का प्रमुख काम माना ही जाता है। समाज का सभ्य व्यक्ति अपेक्षा करता है कि जब वह अपने काम से पुलिस के पास जाय तब उसके साथ सभ्य व्यवहार हो। बिना किसी भय के वह निर्भीकता से अपनी बात कह सके और उसे अपनी समस्या का समाधान न भी मिले तो उसे संतोषजनक भरोसा मिले।

वैसे पुलिस का जो असली काम समझा जाता है वह यह है कि वह अपराधियों के साथ कड़ाई से निपटे। संस्कृत में एक कहावत है - सठे साठयम समाचरेत। अर्थात दुष्ट के साथ दुष्टता का व्यवहार किया जाना चाहिए। आम समाज भी पुलिस से यही अपेक्षा करता है कि वह अपराधी, गुंडों और माफियाओं के साथ कठोरता का व्यवहार करे। अक्सर देखने में आता है कि कई पुलिस अधिकारी जनता में बड़ा सम्मान पाते हैं जो अपराधियों और गुंडों के साथ कड़ा व्यवहार करते हैं। उनकी सिंघम की छवि बन जाती है। अपराधी भी ऐसे पुलिस अफसरों से डरते हैं। कई अपराधी तो वह इलाका ही छोड़कर चले जाते हैं।

एक तीसरा पक्ष और है, वह मानव अधिकारों की बात करने वालों का है। कानून कहता है कि प्रत्येक व्यक्ति निरपराध है जब तक उसे अपराधी न घोषित कर दिया जाय। जो अपराधी नहीं है उससे अपराधी जैसा व्यवहार करना अमानवीय है। कानून अपेक्षा करता है कि अपराधी को दंड देना न्यायालय का काम है। पुलिस ये काम नहीं कर सकती है। अगर पुलिस किसी को दंडित करने का काम करती है तो फिर उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाती है। कारागार भी एक यातना समझी जाती है लेकिन पिछले कुछ समय से बंदी गृहों हो सुधार गृह कहा जाने लगा है। केवल कहा जाने ही नहीं लगा है, सच में सुधार के की अभियान चलाए जा रहे हैं।

इसमें एक चौथा पक्ष और भी है, वह जनता है। या यों कहें पीड़ित पक्ष है। जब किसी अपराध के अपराधी पकड़े जाते हैं तो पीड़ित पक्ष कहता है कि पुलिस ने ऐसे ही बैठा रखें हैं। ठीक से कुटाई होगी तो सारी सच्चाई उगल देंगे। आरोपी पक्ष के लोग कहेंगे कि ऐसे ही किसी को कैसे पीट सकते हो। जब तक अपराध साबित नहीं होता आप किसी को कैसे दंडित कर सकते हैं ?

मैं पुलिस के बचाव में ये सब नहीं लिख रहा हूं। लेकिन जो व्यवहारिक है उसका उल्लेख कर रहा हूं। मैं स्वय भी पुलिस से मानवीय व्यवहार की अपेक्षा करता हूं। मैने स्वय अनेक बार पुलिस के अशिष्ट व्यवहार को अनुभव किया है। मैने पुलिस विभाग के मंत्री के रूप में इसकी कार्य पद्धति को देखा है। पिछले एक महीने पहले ही मुझे अपने मोबाइल खो जाने की रिपोर्ट लिखाने थाने जाना पड़ा, वहां इंस्पेक्टर को छोड़कर किसी ने भी शिष्टता नहीं दिखाई। लेकिन कभी कभी अपराधियों से निपटते निपटते उनका स्वभाव कठोर हो जाता है।

मुझे नहीं पता कि पुलिस ट्रेनिग में व्यवहार के बारे में क्या सिखाया जाता है। लेकिन पुलिस को एक शिक्षक से ज्यादा शिष्ट होने की आवश्यकता है। पुलिस के सिपाही को सबसे ज्यादा मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उसके व्यवहार को ज्यादा शिष्ट और विनम्र होने की आवश्यकता है। आजकल बहुत शिक्षित युवक भी पुलिस में सिपाही के रूप में भर्ती हो रहे हैं, उनके व्यवहार से उनके शिक्षित होना दिखता है। मैं नहीं जानता कि कभी धन का लालच समाप्त होगा या नहीं क्योंकि ये तो बढ़ता ही जा रहा है, जो क्षेत्र अछूते थे अब तो उनमें भी यह बीमारी विस्तार ले रही है। लेकिन अगर ये लालच का तत्व व्यवस्था से अलग हो जाय तो बहुत सारी समस्याओं का समाधान हो सकता है।

संपादकीय

अनुशासन की चिंता

कोई भी समाज संयम, सहिष्णुता और सद्भावना से ही सशक्त होता है। अगर कभी समाज इन लोकतांत्रिक भावनाओं के प्रतिकूल चलने लगता है, तो न केवल हिंसा की आशंका बढ़ जाती है, बल्कि समाज में भय का माहौल बन जाता है। वाकई संयम का ही अभाव था कि दिल्ली में सड़क पर रास्ता देने-न देने का एक मामला फिर जानलेवा हो गया। दशहरा मेले से लौट रहे दो भाइयों पर तीन अपराधियों ने ऐसे हमला बोल दिया कि एक भाई की मौत हो गई। क्या सड़क पर हुए इस विवाद को सद्भावना के साथ सुलझाया जा सकता था? क्या हम सड़क पर या समाज में संयम खोने लगे हैं? क्या हमारे मन में नाना प्रकार की कुंठाएं भरती चली जा रही हैं? क्या परस्पर ईर्ष्या ने हमें क्रोधी बना दिया है? एक बदलाव पर गौर करने की जरूरत है, पहले के दौर में अक्सर लोग कहते थे कि सहना सीखो, मिल-जुलकर रहना सीखो। गांधीजी के हवाले से भी अक्सर कहा जाता था कि कोई एक गाल पर थप्पड़ मारे, तो दूसरा आगे कर दो। अब जब शांति-अहिंसा के दर्शन को भुलाया जा रहा है, तब सड़क हो या समाज, लोग ईंट का जवाब पत्थर से देने को लालायित हैं। प्रतिमा विसर्जन के समय उत्तर प्रदेश के बहराइच में जो हुआ या झारखंड के गढ़वा में जो हुआ, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। शायद हर समुदाय यह मानने लगा है कि पूरे समाज या देश को उसके हिसाब से चलना चाहिए, अगर देश या समाज उसके हिसाब से नहीं चलेगा, तो वे कानून हाथ में ले लेंगे। किसी शोभायात्रा पर पत्थर फेंकने की घटना सामान्य नहीं है, ध्यान दीजिए, नफरत के ये पत्थर कोई एक दिन में जमा नहीं हुए हैं। कई लोग बदला लेने या अपनी मनमानी चलाने के लिए भरे बैठे हैं, उन्हें कोई भी बार-बार याद नहीं दिला रहा है कि सद्भाव के साथ रहना ही समझदारी है। ऐसे लोग जगह-जगह हैं, तभी तो शोभायात्राओं पर जगह-जगह हमले हुए हैं। इसका एक दूसरा पहलू भी है, शोभायात्रा निकालने की अपनी शोभा है। शोभनीय ढंग से अगर ऐसा किया जाए, तो शायद ज्यादा समस्या नहीं होगी। उग्रता, हुड़दंग, अभद्र शोर, भड़काऊ नारेबाजी से क्या किसी यात्रा की शोभा बढ़ सकती है? हां, अगर कोई शोभनीय और आधिकारिक रूप से स्वीकार्य यात्रा पर आपत्ति करता है, तो यह किसी अपराध से कम नहीं है। धार्मिक आचरण की आदर्श स्थिति है कि आपके व्यवहार से किसी को तकलीफ न होने पाए। तकलीफ पहुंचाना अधर्म है। वैसे, ईमानदारी से यह भी देखना चाहिए कि लोग संयम, सहिष्णुता त्यागकर आखिर क्यों कानून अपने हाथ में लेने लगे हैं? किसी यात्रा का अशोभनीय होना और किसी शोभा यात्रा को निशाना बनाया जाना, दोनों ही स्थितियों में कानून-व्यवस्था की कमी जिम्मेदार होती है। पुलिस को ऐसी शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। हर समुदाय में शासन-प्रशासन की मजबूत पकड़ होनी चाहिए। अगर किसी क्षेत्र में कानून-व्यवस्था प्रभावित हो रही है, तो इसका मतलब यह भी है कि वहां के जन-प्रतिनिधि भी समाज में पलते विवादों को सुलझाने में नाकाम हो रहे हैं। किसी भी क्षेत्र में शांति बनाए रखना प्राथमिक रूप से पुलिस और जन-प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। सामाजिक, धार्मिक संगठनों को भी समाज में उग्रता बढ़ाने के काम करने के बजाय विनम्रता को खाद-पानी देना चाहिए। समाज में चहुंओर बढ़ते गुस्से का यही समाधान है।

केंद्र ने राज्यों को विशेष सहायता के रूप में 50,571 करोड़ रुपये किए जारी

नई दिल्ली। केंद्र ने चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों के दौरान विभिन्न विकास परियोजनाओं में खर्च बढ़ाने के लिए अपनी पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के तहत राज्यों को 50,571.42 करोड़ रुपये जारी किए हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, केरल, पंजाब और तेलंगाना को छोड़कर 28 राज्यों में से 23 ने चालू वित्त वर्ष के दौरान केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई ब्याज मुक्त सुविधा का लाभ उठाया।

केंद्रीय मंत्री द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस सुविधा के साथ सबसे अधिक राशि 7,007.93 करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश को जारी किए गए। इसके बाद मध्य प्रदेश को 5,074.94 करोड़ रुपये, बिहार को 5,408.88 करोड़ रुपये, राजस्थान को 4,552.01 करोड़ रुपये, पश्चिम बंगाल को 4,416.23 करोड़ रुपये, असम को 3,181.97 करोड़ रुपये, ओडिशा को 3,085.44 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र को 2,617.70 करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश को 2,616.27 करोड़ रुपये और कर्नाटक 2,272.87 करोड़ रुपये दिए गए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024-25 के बजट में राज्यों के लिए केंद्र की 'पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता' योजना के तहत 1.5 लाख करोड़ रुपये का आवंटन प्रदान किया है। पूंजी निवेश के लिए राज्यों को केंद्र की विशेष सहायता योजना के तहत पूंजीगत व्यय को बढ़ावा देने के लिए 50 साल का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाता है। इस योजना के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, जलापूर्ति, बिजली, सड़क, पुल और रेलवे सहित विभिन्न क्षेत्रों में पूंजी निवेश परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में राज्यों के हिस्से को पूरा करने के लिए भी धन मुहैया कराया गया है, ताकि इन क्षेत्रों में परियोजनाओं की गति बढ़ाई जा सके। इस योजना के कुछ हिस्से या तो सुधारों से जुड़े हैं या फिर क्षेत्र विशेष परियोजनाओं के लिए हैं। इस योजना के तहत राज्यों को राज्य सरकार के वाहनों और एंबुलेंस को स्क्रैप करने, पुराने वाहनों पर देनदारियों को माफ करने, पुराने वाहनों को स्क्रैप करने के लिए व्यक्तियों को कर रियायतें देने और स्वचालित वाहन परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन भी दिया जाता है। इसके अलावा, राज्यों को शहरी नियोजन और शहरी वित्त में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में पुलिस थानों में पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के लिए आवास स्टॉक बढ़ाना है। इस योजना का एक अन्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना, ह्यमेक इन इंडिया की अवधारणा को आगे बढ़ाना और प्रत्येक राज्य में यूनिटी मॉल के निर्माण के माध्यम से ह्यएक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) की अवधारणा को बढ़ावा देना है।

सेंसेक्स 597 अंक उछला अदाणी पोर्ट्स टॉप गेनर

मुंबई। भारतीय बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को हरे निशान में बंद हुए। कारोबार के अंत में पीएसयू बैंक और मीडिया सेक्टर में भारी खरीदारी देखी गई। अदाणी पोर्ट्स बीएसई के बेंचमार्क में टॉप गेनर के साथ 73.20 रुपये या 6.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,288.80 रुपये पर बंद हुआ। सेंसेक्स 597.67 अंक या 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,845.75 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50181.10 अंक या 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,457.15 पर बंद हुआ। पीएल कैपिटल के विक्रम कासट ने कहा, भारतीय बेंचमार्क इक्विटी सूचकांकों में मंगलवार को बढ़त दर्ज की गई, जिससे लगातार तीसरे सत्र में भी बढ़त जारी रही। एशियाई बाजारों से सकारात्मक संकेतों ने निवेशकों की धारणा को बढ़ाया। उन्होंने आगे कहा, मुख्य रूप से मेटल और फाइनेंशियल स्टॉक में बढ़त दर्ज की गई, जो इस महीने के अंत में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा 25 आधार अंकों की दर में कटौती की उम्मीदों से प्रेरित थी। बाजार की व्यापकता मजबूत रही, जिसमें बढ़त वाले शेयरों ने गिरावट वाले शेयरों को पीछे छोड़ दिया। निफ्टी मिडकैप-100, 508.15 अंक या 0.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ 57,509 पर बंद हुआ। जबकि, निफ्टी स्मॉलकैप-100, 132.15 अंक या 0.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,003.55 पर बंद हुआ। एलकेपी सिक्योरिटीज के रूपक दे ने कहा, निफ्टी में तेजी का एक और दिन देखने को मिला, क्योंकि सूचकांक 26,277 से 23,263 पर पिछली गिरावट के 38.20 प्रतिशत फिबोनाची रिट्रेसमेंट

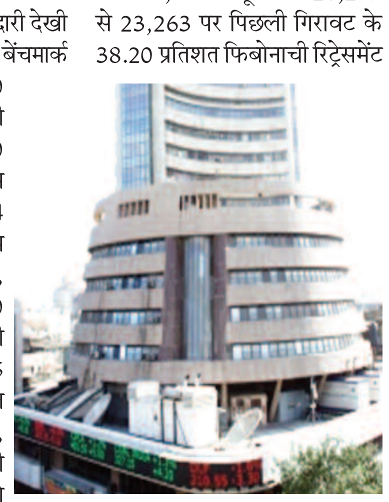

स्तर से ऊपर चला गया। उन्होंने आगे कहा, सूचकांक दैनिक चार्ट पर हाल के कंसोलिडेशन फेज से बाहर निकल गया है, जो तेजी की भावना में वृद्धि का संकेत देता है। निफ्टी सेक्टोरल फ्रंट पर पीएसयू बैंक, मीडिया, मेटल, एनर्जी, इंफ्रास, पीएसई, कमोडिटीज, ऑटो, आईटी और फाइनेंशियल सर्विस हरे निशान में बंद हुए। वहीं, निफ्टी फार्मा और एफएमसीजी लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, एसबीआई, एक्सिस बैंक, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक टॉप गेनर्स रहे। वहीं, भारती एयरटेल, आईटीसी, सनफार्मा, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक टॉप लूजर्स रहे।

गुजरात में चार साल में जीएसटी चोरी के 12803 मामले दर्ज किए गए, 101 गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जीएसटी चोरी के मामलों में सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 69 के प्रावधानों के तहत 101 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। राज्यसभा में एक अलग प्रश्न के उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले पांच वित्तीय वर्षों में जीएसटी संग्रह का ब्यौरा भी दिया। केंद्रीय कर अधिकारियों ने गुजरात में पिछले चार वित्तीय वर्षों के दौरान जीएसटी चोरी के 12,803 मामले दर्ज किए और 101 लोगों को गिरफ्तार किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में यह जानकारी दी। सीतारमण ने कहा, ॅगुजरात में, वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2024-25 (31 अक्तूबर 2024 तक) के दौरान, केंद्रीय कर संरचनाओं की ओर से दर्ज जीएसटी चोरी के मामलों की संख्या 12,803 है। सीजीएसटी की धारा 69 के प्रावधानों के तहत 101 लोगों को किया गया गिरफ्तार पिछले तीन वर्षों के दौरान 30 अक्तूबर, 2024 तक गुजरात में जीएसटी चोरी के मामलों की संख्या पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में आईपीसी (अब भारतीय न्याय संहिता, 2023) के तहत तीन एफआईआर दर्ज की गईं और इन एफआईआर में आठ लोगों के नाम शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जीएसटी चोरी के मामलों में सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 69 के प्रावधानों के तहत 101 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

रोचक तथ्यों का करंट

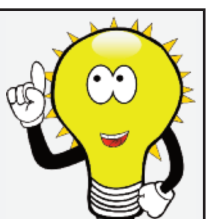

- दुनियां में सेब की इतनी प्रजातियाँ हैं कि अगर रोजाना एक सेब खाया जाए तो हर प्रकार का सेब खाने में 20 साल लगेंगे।
- एक शुतुरमुर्ग की आंखें उसके दिमाग से बड़ी होती हैं।
- स्त्रियों की कमीज के बटन बाएँ तरफ जबकि पुरुषों की कमीज के बटन दाएं तरफ होते हैं।
- घोड़े खड़े – खड़े भी सो सकते हैं, क्योंकि उनके पैर मजबूत होते हैं।
- मनुष्य के दिमाग में 80% पानी होता है।
- मनुष्य का खून 21 दिन तक स्टोर किया जा सकता है।
- चमगादड़ हमेशा अपनी गुफा से निकलकर बाएँ तरफ ही मुड़ता है।
- ऊँट के दूध का दही नहीं बन सकता है।
- धरती के केंद्र का तापमान सूरज के तापमान के बराबर है।
- पसीने में किसी तरह की गंध नहीं होती, बल्कि गंध शारीर पर मौजूद बैक्टीरिया की वजह से होती है।
- कुछ कीड़े भोजन न मिलने पर खुद को ही खा जाते हैं।
- शहद हजारों सालों तक खराब नहीं होता है।
- छीकते वक्त दिल की धड़कन 1 मिली सेकंड के लिए रुक जाती है।
- कंगारू कभी भी उल्टा नहीं चल सकते हैं।

यूएस मामले के बाद भी अदाणी समूह की वित्तीय स्थिति बेहद मजबूत : बर्नस्टीन

नई दिल्ली। अमेरिकी फाइनेंसियल रिसर्च फर्म बर्नस्टीन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मौजूदा समय में अदाणी समूह की कंपनियों की वित्तीय स्थिति 2023 में हुए हिंडनबर्ग हमले के मुकाबले काफी मजबूत है। रिपोर्ट में कहा गया कि यूएस मामले के बाद भी अदाणी समूह की जड़े चार प्रमुख बिंदुओं जैसे शेयर-गिरवी, लीवरेज, लोन भुगतान और मूल्यांकन में मजबूत बनी हुई हैं। हिंडनबर्ग संकट के दौरान प्रमुख चिंताओं में से एक शेयर-गिरवी थी, लेकिन समूह ने पिछले 1.5 वर्षों में इसे कम करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। रिपोर्ट में कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां समूह ने पर्याप्त एक्शन लिया है। अगर हम समूह के गिरवी शेयरों को देखें तो सभी कंपनियों में काफी गिरावट आई है। उदाहरण के लिए अदाणी पावर के पहले 25 प्रतिशत शेयर गिरवी थे, जो अब कम होकर एक प्रतिशत रह गए हैं। वहीं, अदाणी पोर्ट के पहले 17 प्रतिशत शेयर गिरवी थे, जो अब शून्य हो गया है। अदाणी समूह की सभी कंपनियों (अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस को छोड़कर) प्रवर्तकों की हिस्सेदारी में इजाफा हुआ है। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी न बढ़ने की वजह कंपनी द्वारा हाल ही में लॉन्च किया गया क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) था। रिपोर्ट में कहा गया है कि शॉर्ट-सेलर घटना के बाद समूह का कुल कर्ज कम हो गया है, जो मार्च 2023 में 2.41 लाख करोड़ रुपये से घटकर सितंबर 2023 में 2.39 लाख करोड़ रुपये हो गया है। बर्नस्टीन ने कहा, हालांकि तब से कर्ज थोड़ा बढ़ गया है, लेकिन मुनाफे में अधिक वृद्धि हुई है, जिससे समूह का लीवरेज हिंडनबर्ग घटना से पहले 3.8 गुना से घटकर अब 2.5 गुना से भी कम हो गया है।

राशिफल

मेष: थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। कार्य की प्रशंसा होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। आत्मसंतुष्टि रहेगी। धन प्राप्ति के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

वृष: फालतू खर्च होगा। शारीरिक कष्ट की आशंका है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी।

मिथुन: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

र्कक: शारीरिक कष्ट का कारण किसी तरह की लापरवाही हो सकती है। समय ठीक नहीं है। कोई बड़ा व्यय अचानक सामने आ सकता है।

सिंह: सुख के साधन प्राप्त होंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। किसी लंबी यात्रा की योजना बन सकती है। नए काम मिलेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी।

कन्या: किसी सही बात का भी विरोध हो सकता है। अच्छी खबर प्राप्त होगी। आर्थिक उन्नति के लिए नई योजना बनेगी। समाजसेवा की प्रेरणा प्राप्त होगी।

तुला: जीवनसाथी के बारे में चिंता रहेगी। किसी लंबी यात्रा की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

वृश्चिक: कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी रखें। किसी भी तरह की बहस में हिस्सा न लें। भावना में बहकर महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

धनु: किसी बात के बारे में अनहोनी की आशंका रहेगी। विवाद से क्लेश हो सकता है। शारीरिक कष्ट की आशंका है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

मकर: शत्रु नतमस्तक होंगे। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। रोजगार प्राप्ति के लिए किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ: कोई गलत निर्णय ले सकते हैं, सावधान रहें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग अध्ययन आदि में सफलता प्राप्त करेगा।

मीन: प्रेम-प्रसंग में सफलता प्राप्त होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

चुटकुले

सोनू- शादी से पहले तो तुम कहती थी कि
शादी के बाद मैं तुम्हें ढेर सारा प्यार करूंगी
तो अब क्या हुआ?
रिंकी ने कहा- एक सच बताऊं क्या ?
सोनू- हां, जल्दी बताओ?
रिंकी- मुझे नहीं लगता था कि हमारी शादी हो ही जाएगी

सोनू (मोनू से)- यार ये रैगिंग किसे कहते हैं?
मोनू- ये जो तुम अपनी पत्नी को हर मैरिज एनिवर्सिरी,
करवाचौथ और जन्मदिन पर गिफ्ट देते हो ना
उसे ही अंग्रेजी में रैगिंग कहते हैं....

संजू- भाई, बीवी के मेकअप का खर्चा बर्दाश्त नहीं होता
बंटी- हां, तो खर्चा देना बंद कर दे
संजू- लेकिन फिर मेकअप के बिना बीवी बर्दाश्त
नहीं होती!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक
करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

22 दिसंबर को उदयपुर में शादी के बंधन में बंधेंगी पीवी सिंधु

शादी की रस्में 20 दिसंबर से शुरू होंगी और हैदराबाद में रिसेप्शन होगा

जयपुर, 3 दिसंबर। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु अब शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। इसी महीने राजस्थान के उदयपुर में उनकी शादी होगी। शादी की रस्में 20 दिसंबर से शुरू होंगी और हैदराबाद में रिसेप्शन होगा। इसके बाद सिंधु आगामी महत्वपूर्ण सत्र के लिए अपनी ट्रेनिंग फिर से शुरू करेंगी।

अब इस खबर को पढ़ने के बाद आपने मन में पहला सवाल यही होगा कि आखिर उनका होने वाला पति कौन है? दरअसल, ओलंपिक से लेकर कॉमनवेल्थ गेम्स तक में देश का नाम रोशन करने वाली इस खिलाड़ी ने शादी की खबरों से सबको हैरान कर दिया।

उनकी लव लाइफ या रिलेशनशिप को लेकर कभी कोई जानकारी सामने नई आई। हमेशा उनका पूरा फोकस अपने खेल और करियर पर रहा। वह किसी को डेट भी नहीं कर रही थीं। हालांकि, उनकी शादी एक ही महीने के अंदर तय हो गई। सिंधु के होने वाले पति वेंकट दत्ता साई पोसाइडेक्स टेक्नोलॉजी में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं।

उनके मंगेतर वेंकट दत्ता साई ने फाउंडेशन ऑफ लिबरल एंड मैनेजमेंट एजुकेशन से लिबरल आर्ट्स एंड साइंसेज/लिबरल स्टडीज में डिप्लोमा किया है। उन्होंने 2018 में फ्लेम यूनिवर्सिटी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन से बीबीए अकाउंटिंग एंड फाइनेंस पूरा किया और फिर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, बैंगलोर से डेटा साइंस एंड मशीन लर्निंग में मास्टर डिग्री हासिल की।

उन्होंने जेएसडब्ल्यू के साथ समर इंटर्न के साथ-साथ इन-हाउस कंसल्टेंट के रूप में काम करना शुरू किया। 2019 से, वह सोर एप्पल एसेट मैनेजमेंट के प्रबंध निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं, जबकि पोसाइडेक्स में कार्यकारी निदेशक के रूप में भी काम कर रहे हैं

सिंधु के पिता पीवी रमना से मिली जानकारी के अनुसार, "दोनों परिवार एक-दूसरे को जानते थे लेकिन एक महीने पहले ही सब कुछ तय हुआ। यह एकमात्र संभावित समय था क्योंकि जनवरी से उसका (सिंधु का) कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है।"

सिंधु 2019 में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली और एकमात्र भारतीय हैं। वह लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाली केवल दूसरी भारतीय व्यक्तिगत एथलीट हैं। 2016 रियो ओलंपिक में, उन्होंने रजत पदक जीता, ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनीं। 2020 टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने कांस्य पदक जीता।

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में सिंधु के नाम पांच पदक हैं, जिससे वह एकल में यह उपलब्धि हासिल करने वाली केवल दो महिलाओं (चीन की झांग निंग के साथ) में से एक हैं।

डेक्कन ग्लेडिएटर्स ने तीसरी बार खिताब जीता

ग्लेडिएटर्स ने तीन ओवर शेष रहते 8 विकेट खोकर कर लिया लक्ष्य हासिल

अबू धाबी, 3 दिसंबर। डेक्कन ग्लेडिएटर्स और मॉरिसविले सैम्प आर्मी के बीच 2024 अबू धाबी टी10 टूनार्मेंट का फाइनल जो जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया, दर्शकों के लिए पूरी तरह से मनोरंजक रहा। 105 रनों का पीछा करते हुए, ग्लेडिएटर्स ने कुछ धमाकेदार प्रदर्शन किया और तीन ओवर शेष रहते 8 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

सलामी बल्लेबाज और इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम कोहलर-कैडमोर ने पहले ही ओवर में कप्तान रोहन मुस्तफा को पहले ओवर में लगातार चार चौके जड़कर टीम का स्कोर आगे बढ़ाया, जबकि उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान निकोलस पूरन भी जल्द ही होड़ में शामिल हो गए।

वेस्टइंडीज के पूरन ने पाकिस्तान के स्पिनर इमाद वसीम पर दबदबा

बनाया और ग्लेडिएटर्स ने तीसरे ओवर में 20 रन बटोरे और 50 रन का आंकड़ा पार किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज को आखिरकार तेज गेंदबाज इसुरु उदाना ने 10 गेंदों पर 28 रन पर आउट कर दिया, जब मुस्तफा ने डीप में शानदार शॉट लगाया, लेकिन इससे सैम्प आर्मी को कोई मदद नहीं मिली क्योंकि कैडमोर ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और अर्धशतक जड़ा।

इससे पहले, मॉरिसविले सैम्प आर्मी को कभी भी वह शुरूआत नहीं मिली जो वे चाहते थे और लगातार विकेट खोते हुए 81/5 पर सिमट गई। यह अफगानिस्तान के करीम जनत की आखिरी पारी की बदौलत था, जिन्होंने पारी के अंतिम ओवरों में 8 गेंदों पर 16 रन बनाए, जिससे कुल स्कोर 10 ओवरों में 104/7 हो गया।

फाफ डु प्लेसिस ने 23 गेंदों पर 34 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज एंड्रीज गौस ने 9 गेंदों पर 21 रन बनाए। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रिचर्ड ग्लीसन ने डेक्कन ग्लेडिएटर्स के लिए दो ओवरों में 2/16 के आंकड़े हासिल किए।

कैबिनेट सदस्य और सहिष्णुता एवं सह-अस्तित्व मंत्री, शेख नाहयान मुबारक अल नाहयान का मध्य पारी के दौरान दिया गया भाषण दिन का मुख्य आकर्षण रहा। जायद क्रिकेट स्टेडियम में दर्शकों को खिताबी मुकाबले के दौरान एलनाज नोरौजी का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। डेक्कन ग्लेडिएटर्स ने तीसरी बार अबू धाबी टी10 लीग के चैंपियन का खिताब जीता है। उनके स्टार बल्लेबाज जोस बटलर को प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट चुना गया, क्योंकि उन्होंने टूनार्मेंट में 224.07 की स्ट्राइक रेट से कुल 242 रन बनाए। रिचर्ड ग्लीसन को बॉलर ऑफ द टूनार्मेंट चुना गया, जबकि टॉम कोहलर-कैडमोर ने क्रमशः बैटर ऑफ द टूनार्मेंट का खिताब जीता। शाहिद भुट्टा, जिन्होंने 10.93 की इकॉनमी से 10 विकेट लिए, को यूएई प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट चुना गया।

खेल मंत्री ने मेजर ध्यानचंद को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 3 दिसंबर। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को मेजर ध्यानचंद नेशनल हॉकी स्टेडियम में 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद को उनकी 45वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी।

मांडविया ने एक्स पर लिखा, ₹विश्व के महानतम हॉकी खिलाड़ी, 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। वह दुनिया भर के हॉकी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। अपने खेल कौशल से उन्होंने भारत को वैश्विक स्तर पर गौरव दिलाया।₹

ध्यानचंद का 3 दिसंबर 1979 को दिल्ली में निधन हुआ था। उन्होंने 1928 के ओलंपिक खेलों में भारत को हॉकी में अपना पहला स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की थी और लगभग तीन दशकों तक सक्रिय रहे थे।

बाद में, ध्यानचंद ने भारतीय हॉकी टीम को तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाए, जो कि भारतीय खेल के इतिहास में बड़ी उपलब्धि है।

अपने उल्लेखनीय करियर के बाद, ध्यानचंद 1956 में मेजर के पद से भारतीय सेना से रिटायर हुए। उन्हें भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

भारत देश के प्रति उनके योगदान के सम्मान में ध्यानचंद के जन्मदिन पर 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाता है।

शिवम-सूर्यकुमार के आतिशी अर्धशतकों से जीती मुंबई

धुआंधार पारियों की मदद से मुंबई ने सर्विसेज को 39 रनों से हरा

हैदराबाद, 3 दिसंबर। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के छठे राउंड में सूर्यकुमार यादव (46 गेंदों में 70 रन) और शिवम दुबे (37 गेंदों में 71 रन) की आतिशी पारियों की मदद से मुंबई ने सर्विसेज को मंगलवार को 39 रनों से हरा दिया। यह दोनों का वापसी मैच था। जहां सूर्यकुमार निजी कारणों से कुछ दिनों से क्रिकेट के मैदान से बाहर थे, वहीं पीठ की चोट के कारण दुबे भी पिछले सितंबर से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल पाए थे।

प्लेयर ऑफ द मैच बने दुबे अपनी पारी के दौरान अधिक आक्रामक नजर आए और उनकी पारी में दो चौके और सात गगनचुंबी छक्के शामिल थे। वहीं सूर्यकुमार की पारी में सात चौके और चार छक्के शामिल थे। दोनों ने वापसी करते हुए सिर्फ.66 गेंदों में 160 रनों की बेहतरीन साझेदारी की और अपनी टीम को खराब शुरूआत से उबारा।ओपनर पृथ्वी शॉ खाता खोले

बिना आउट हुए।

मुंबई के 192 रनों के जवाब में सर्विसेज निर्धारित 20 ओवरों में सिर्फ. 153 रन ही बना सकी और 39 रन से मैच हार गई। मुंबई की तरफ से शार्दुल ठाकुर ने चार, जबकि शम्स मुलानी ने तीन विकेट लिए।

सौराष्ट्र का बेहतरीन बल्लेबाजी

फॉर्म जारी : इंदौर। सौराष्ट्र ने तमिलनाडु के खिलाफ मैच में 235 रन बनाए, जिसमें हार्विक देसाई (55), रूचित अहीर (56) और समर गज्जर (55) के अर्धशतक शामिल हैं।

अहीर का यह दो मैचों में लगातार दूसरा अर्धशतक है, वहीं देसाई ने भी लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया। सौराष्ट्र द्वारा दिए गए विशाल लक्ष्य के आगे तमिलनाडु की टीम चिराग जानी और धर्मेंद्रसिंह जडेजा के सामने 64 रन से पीछे रह गई। यह तमिलनाडु की पिछले छह मैचों में चौथी हार है और वे टूनार्मेंट से पहले ही बाहर हो चुके हैं।

इटैलियन लीग में फिओरेंटीना के बोवे बेहोश होकर गिरे

आईसीयू में दाखिल हैं इटली के 22 वर्षीय फुटबॉलर

नई दिल्ली। इटैलियन लीग सीरी ए के महत्वपूर्ण मुकाबले में फिओरेंटीना के मिडफील्डर एडोआर्डो बोवे इंटर मिलान के खिलाफ मैच के बीच में मैदान पर बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें बेहोशी की हालत में नजदीकी कारेगी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। वह गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में दाखिल हैं। 22 वर्षीय बोवे के मैदान पर गिरते ही उन्हें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने घेर लिया और तत्काल मेडिकल सहायता मांगी। उन्हें प्राथमिक उपचार देते हुए स्ट्रेचर से मैदान के बाहर लाया गया और एंबुलेंस से अस्पताल में दाखिल कराया गया। यह घटना मैच के 16वें मिनट की है। इसके बाद मुकाबले को स्थगित कर दिया गया। अस्पताल के बाहर बोवे के समर्थक हाथ में, फ्लोरेंस आपके साथ है, कि तख्तियां लेकर एकत्र हो गए।

क्लब साथी, निदेशक अस्पताल पहुंचे

रिपोर्टों के मुताबिक ह्रदय और मस्तिष्क के किए गए पहले परीक्षणों में केंद्रीय तंत्रिका तंत्र और कार्डियो श्वसन तंत्र की तीव्र क्षति से इन्कार किया गया है। उनका कुछ घंटों के बाद फिर परीक्षण किया जाएगा। बताया यह भी जा रहा है कि बोवे को एंबुलेंस में ही होश आ गया था और वह खुद से सांस ले रहे थे। बोवे के माता-पिता और उनकी महिला मित्र, फिओरेंटीना के कोच राफेएल पालादिनो और टीम के अन्य साथी फुटबालर अस्पताल पहुंच गए थे। इस दौरान क्लब के निदेशक और शहर के मेयर भी साथ में थे। फिओरेंटीना के अध्यक्ष रोको कमीसो ने कहा, बोवे के समर्थन के लिए वह लगातार उनके परिवार के संपर्क में हैं।

अप्रैल में एनडिका मैदान पर बेहोश हुए थे

खेल के 16वें मिनट में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वार) की सहायता के दौरान बोवे अपने जूते की डोरियां बांधने के लिए झुके और बेहोश होकर गिर पड़े। मैच रोके जाने के समय स्कोर 0-0 था। 2018 में फिओरेंटीना के पूर्व कप्तान डेविड आस्तोरी यूडीन के खिलाफ मैच से पहले होटल के कमरे में मृत पाए गए थे। यह इस वर्ष सीरी ए में मैदान पर किसी फुटबालर के बेहोश होने की दूसरी घटना है। अप्रैल में रोमा के डिफेंडर इवान एनडिका यूडीनीज के खिलाफ मैदान पर गिर पड़े थे। बोवे रोमा की यूथ अकादमी के उत्पाद हैं। वह लोन पर फिओरेंटीना आए थे। रोमा में बोवे के साथ खेलने वाले स्टार स्ट्राइकर रोमेलू लुकाकू ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं आपसे प्यार करता हूं, छोटे भाई, हम सब आपके साथ हैं।

प्रज्ञानंद, एरिगैसी समेत पांच भारतीय फिडे की शीर्ष प्रतियोगिता में भाग लेंगे

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने सोमवार को कहा कि आगामी 2024 फिडे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप में आर प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगैसी और आर वैशाली सहित भारत के पांच खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 26-31 दिसंबर तक न्यूयॉर्क शहर में आयोजित की जाएगी। पहली बार इस टूनार्मेंट का उत्तरी अमेरिका में आयोजन हो रहा है। इसमें कोनेरू हम्पी और द्रोणावल्ली हरिका भी भारतीय चुनौती को पेश करेंगी। फिडे ने इसे अब तक का सबसे मजबूत सत्र करार देते हुए कहा कि इसमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भाग लेंगे। शीर्ष शतरंज संस्था ने ह्यएक्सह्न पर लिखा कि विश्व के तीसरे नंबर के अमेरिका के ग्रैंड मास्टर हिकारू नाकामुरा ने भी टूनार्मेंट में भाग लेने की पुष्टि की है।

फिडे ने बताया, '26 से 31

दिसंबर तक दुनिया के 300 से ज्यादा बेहतरीन खिलाड़ी न्यूयॉर्क शहर में 1.5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।' इसमें भारत के शीर्ष खिलाड़ियों के अलावा, दुनिया भर के कुछ बड़े नामों में पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन, फैबियानो कारूआना, वेस्ले सो और लेवोन एरोनियन शामिल हैं।

यह आयोजन 26 से 28 दिसंबर तक रैपिड चैंपियनशिप के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 29 दिसंबर को एक दिन का विश्राम होगा। ब्लिट्ज चैंपियनशिप के मुकाबले 30 और 31 दिसंबर को खेले जायेंगे।

सुंदर के बाद सुनील गावस्कर का नीतीश रेड्डी को लेकर यू-टर्न, उन्हें सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी बताया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम के प्रदर्शन से काफी प्रभावित हैं। नियमित कप्तान रोहित शर्मा के बिना खेलते हुए टीम इंडिया ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया पर 295 रन की यादगार जीत दर्ज की। इस जीत के हीरो जसप्रीत बुमराह, यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली रहे। हालांकि, गावसकर के मुताबिक, सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन डेब्यू करने वाले ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी का रहा। रेड्डी ने पर्थ टेस्ट में 41 और 38* रन की पारी खेली, जबकि एक विकेट भी लिया।

'नीतीश रेड्डी की पारी सबसे प्रभावशाली'

गावस्कर ने स्पोर्टस्टार के लिए अपने कॉलम में लिखा, 'सबसे प्रभावशाली पारी नीतीश रेड्डी की रही। उन्होंने मैच अवेयरनेस दिखाई और

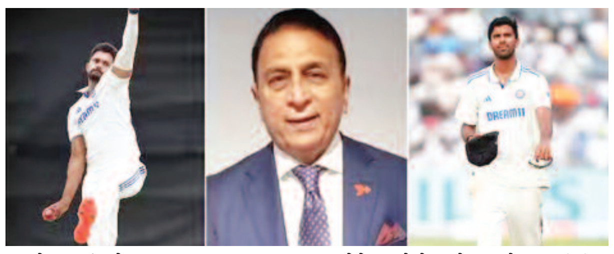

अपने प्रदर्शन से बताया कि उस समय में उस मौके पर क्या जरूरी था। उन्हें देखकर लगा ही नहीं कि वह डेब्यू कर रहे हैं। पहली पारी में भी उन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन किया और जहां रन बनाने की जरूरत थी, वहां रन बनाए और वह पहली पारी में टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनकी गेंदबाजी भी काम आई और उनकी फील्डिंग भी शानदार थी। वह भविष्य के स्टार में से एक हैं।'

हालांकि, गावस्कर का बयान उनके उस बयान के बाद आया है, जब उन्होंने पहले टेस्ट के पहले दिन नीतीश को शामिल करने के फैसले की आलोचना की थी। गावस्कर ने कहा था कि क्या रेड्डी टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार हैं? उन्होंने कहा था, 'मुझे लगता था कि ऑस्ट्रेलिया की इन विकेटों पर बाउंड्री काफी ज्यादा बड़ी होती है इसलिए मुझे लगता है कि टीम मैनेजमेंट को अश्विन और रवींद्र जडेजा दोनों को मौका देना चाहिए था। लेकिन यह एक नया प्रबंधन है, नई सोच है। वे नीतीश कुमार रेड्डी के साथ गए हैं, जो एक होनहार क्रिकेटर हैं, इसके बारे में कोई शक नहीं, लेकिन क्या वह टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार है?

गावस्कर ने बुमराह की जमकर तारीफ की

गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह, विराट कोहली, केएल राहुल की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'भारत ने एकबार फिर सभी विशेषज्ञों को गलत साबित किया और पर्थ में बड़ी जीत हासिल की। इस जीत को टीम की शीर्ष-10 जीत में शामिल किया जा सकता है। कप्तान जसप्रीत बुमराह ने फ्रंट से लीड किया और अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों की परीक्षा ली। उनकी शायद ही ऐसी कोई गेंद रही होगी, जिसपर बल्लेबाज आराम से खेल सके होंगे। बुमराह को निश्चित रूप से पिच से मदद मिली, लेकिन इसके बाद जिस तरह से हमारे बल्लेबाजों ने एक अनजान सतह पर बल्लेबाजी की, वह सबसे अधिक उत्साहजनक था।'

मैच फिक्सिंग में दक्षिण अफ्रीका के दो पूर्व टेस्ट क्रिकेटर गिरफ्तार

दक्षिण अफ्रीका। दक्षिण अफ्रीका के दो पूर्व टेस्ट क्रिकेटरों को मैच फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पांच टेस्ट में नौ और 61 वनडे में 94 विकेट लेने वाले लोनावाबो सोत्सोबो और तीन टेस्ट खेलने वाले थामिल सोलकिले पर 2015 में हुए घरेलू टूनार्मेंट में मैच फिक्सिंग का आरोप लगा है। अगर दोनों पर आरोप सिद्ध हो जाते है तो उन्हें सजा सुनाई जा सकती है। दोनों को काफी पहले ही क्रिकेट खेलने से लंबे समय के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। पुलिस के अनुसार दोनों को बीते माह गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को प्रिटोरिया में एक विशेष वाणिज्यिक अपराध अदालत में पेश होने के बाद दोनों पर दक्षिण अफ्रीका के भ्रष्टाचार विरोधी कानून के तहत पांच आरोप लगाए गए हैं। इस कानून के तहत कुछ स्थितियों में 18 वर्ष की सजा का प्रावधान है, लेकिन इसी मामले में पहले गिरफ्तार किए गए अन्य दो क्रिकेटरों को निलंबित जेल की सजा सुनाई जा चुकी है।

आरोपियों से मिले 13 लाख के जेवरात

दो आरोपियों की ली थी पीसीआर, पश्चिम बंगाल से नोएडा पुलिस ने की बरामदगी

नोएडा करंट क्राइम। पुलिस कस्टडी रिमांड (पीसीआर) पर लिए आरोपियों की निशानदेही पर पश्चिम बंगाल से थाना सेक्टर-49 पुलिस ने करीब 13 लाख रुपये की कीमत का 150 ग्राम सोना बरामद किया है। आरोपियों ने 14 सितंबर को सेक्टर-51 के एक घर में चोरी की थी। इन आरोपियों को पिछले दिनों थाना सेक्टर-39 पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। दोनों आरोपियों पर गुरुग्राम और नोएडा में मुकदमे दर्ज है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया

इसी क्रम में पिछले दिनों थाना सेक्टर-39 पुलिस ने गुरुग्राम के सिकंदर पुर घोसी निवासी राजकुमार विश्वास और नूरजमाल शेख को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोपियों ने थाना सेक्टर-39 क्षेत्र स्थित एक घर में भी चोरी की थी। उस दौरान पूछताछ में आरोपियों ने सेक्टर-51 स्थित घर में हुई चोरी की घटना करना भी स्वीकार किया था। दोनों आरोपियों को माल की बरामदगी के लिए न्यायालय के आदेश पर रिमांड पर लिया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर पश्चिम बंगाल से 149.70 ग्राम वजनी जेवरात बरामद हुए। जिसकी बाजार में कीमत लगभग 13 लाख रुपए है।

सितंबर में हुई थी चोरी

एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि सेक्टर-51 के बी ब्लॉक निवासी संजय गर्ग ने 15 सितंबर को थाना सेक्टर-49 में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 14 सितंबर को वह घर से बाहर गए हुए थे। घर पर कोई भी व्यक्ति नहीं था। रात 10 बजे जब वह घर लौटे तो देखा घर का प्रवेश द्वार पर अंदर से कुंडी लगी हुई थी। आगे के कमरे के गेट की कुंडी टूटी हुई है। उस गेट के अंदर जाकर देखा तो उनके घर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। घर से रखी ज्वेलरी व कैश चोरी हो चुका है।

मोबाइल टावर से चोरी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने पकड़ा, 15 लाख का माल बरामद

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद क्राइम ब्रांच ने पंजाब के रहने वाले इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। यह बदमाश अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, बिहार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पंजाब और मध्य प्रदेश जैसे प्रदेशों में जियो और एयरटेल कंपनी के मोबाइल टावरों से महंगे उपकरण चोरी करता था. गाजियाबाद पुलिस की तरफ से इस पर 20000 रुपये का इनाम घोषित था। इसके कब्जे से 15 लाख का माल बरामद हुआ है।

आरोपी आठवीं क्लास तक पढ़ा है। गाजियाबाद में एडीसीपी क्राइम सच्चिदानंद ने बताया कि पकड़े गए आरोपों का नाम कृपाल उर्फ सोनू है। यह मूल रूप से मोगा पंजाब का रहने वाला है। आरोपी आठवीं क्लास तक पढ़ा है उसके बाद 2022 में इसने 5जी इंटरनेट सेवा देने के लिए केबल लगाने का काम शुरू किया। इसी दौरान यह अपने साथियों के साथ केबल को चुराकर उसमें से कॉपर निकालकर बेचने लगा।

धीरे-धीरे यह उस गैंग के संपर्क में आ गया जो मोबाइल टावर से महंगा सामान जैसे आर आर यूनिट या बैटरी चुराते हैं। इसके बाद इसने अपना गिरोह बना लिया जो मोबाइल टावर से रेडियो रिसीवर यूनिट बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी करके बेचने लगा। यह सामान बहुत महंगे होते हैं इनको चुराना काफी आसान होता है और ट्रांसपोर्ट करने में भी कोई दिक्कत नहीं आती। इसके कब्जे से 15 लख रुपए कीमत की मोबाइल टावरों की दो रेडियो रिसीवर यूनिट बरामद की है। गाजियाबाद पुलिस की तरफ से इस पर 20000 रुपये का इनाम था।

हमें मिले ना मिले पर उसे ना मिले इसी बात पर हाथ मिले गिले मिले

राजनीति में कोई किसी का स्थाई दोस्त नही होता कोई किसी का स्थाई दुश्मन नही होता। लेकिन जैसा उस वार्ड में हो रहा है आमतौर पर ऐसा भी नही होता। दावेदारी की बेला में यहां बर्थडे का केक ही मेंबर लिख कर काटा गया और मेंबर ने कटवाया। चलो ये तो पर्सनल बात है और कोई किसी को भी सपोर्ट कर सकता है,कोई किसी को भी वोट कर सकता हैं मगर हाय रब्बा यहां तो गजब का सीन हो गया। वो भी घर से निकल आये जिन्होने चुनाव प्रचार में गेट ही नही खोला था। सीन ये हैं कि हमें मिले ना मिलें मगर उसे तो बिल्कुल भी न मिले,बस इसी बात पर यहां हाथ भी मिले और गले भी मिले।

नीले वोट बैंक के झंडाबरदार दल हैं चुनावी बैकअप या चुनावी आप्शन

ये नीला वोट बैंक है और अगर ये एक मुश्त किसी के साथ आ गया तो सियासी मौज करा देता है। लेकिन इस वोट बैंक को सबसे ज्यादा नुकसान ही सूटकेस कल्चर ने पहुंचाया हैं और आज ये हालत हो गई है कि इस वोट बैंक की झंडाबरदार पार्टिया सियासत में एक पालिटिकल चुनावी बैकअप प्लान से ज्यादा कुछ नही हैं। ये चुनावी आप्शन हैं और इस के चलते सबसे ताकतवर वोट बैंक आज नोट बैंक के आगे बेबस है। शुक्ला जी को फूल वालों ने टिकट नही दिया तो वो हाथी पर चढ़ लिये और लाला जी को साईकिल वालों ने सिबंल के बाद मना किया तो उन्होने हाथी पर सवार होकर चुनाव लड़ने के अरमान को पूरा किया। सुना तो ये भी है कि विधानसभा वाले उपचुनाव में एक भगवा लाला जी ने एलीफेंट के रेट पूछे थे और यहां तक कह दिया था कि टोकन एडवांस ले लो लेकिन मेरा टिकट अगर फ्लावर से हो गया तो फिर वही लड़ूंगा आप टोकन भी रख लेना। महावतों ने इस बात पर इंकार कर दिया था। मौहल्ला चुनाव में वो टेम्परेरी महावत बता देगें कि कितने का लिया था टिकट। सियासी मंडी में ये आप्शन और ये चुनावी बैकअप के प्लान केवल नीले समाज की ताकत को कमजोर कर रहे हैं।

फूल वालों के दिल की डिजायर यहां चुनाव हार जाये फ्लॉवर

कसम से भगवा गढ़ के फूल वालों को इतनी जलन ना तो हाथ से हैं और ना ही केतली से हैं। फूल वालों को लेना देना साईकिल से भी नही हैं। सबसे बड़ा कमाल ये हैं कि फ्लावर वालों के मन में सारी फॉयर ही फ्लावर वालो को लेकर है। मौहल्ले वाले बता रहे हैं कि यहां फॉयर का तापमान तेज रहने वाला है और फूल वाले ही चाहते हैं कि फूल वालें हार जायें। फूल वाले ही इस बात पर डांस कर रहे हैं कि उसका तो चांस ही नही आने दिया। फूल वाले ने ही कहा कि ये कोई नई बात नही है और ये तो पहले भी कई वार्डो में हुया हैं यहीं कौन सा अनोखा हो रहा है। हमें तो बूथ अध्यक्ष के घर के बाहर ढोल बजाना है और नेम प्लेट लगानी है। जब बड़ा परिवार होता है तो ऐसा हो जाता है।

कारोबारी से 3.92 करोड़ की धोखाधड़ी

कोलकाता की कंपनी के 5 लोगों पर एफआईआर दर्ज

हापुड़ करंट क्राइम। हापुड़ के सिटी कोतवाली इलाके के मोहल्ला मदरसा सादात निवासी इमरान खान की फर्म से कोलकाता की एक फर्म ने 3 करोड़ 92 लाख 32 हजार 124 रुपये का मुर्गी दाना खरीदा। लेकिन भुगतान के लिए बार-बार टालमटोल किया गया। जब इमरान ने रकम मांगने की कोशिश की, तो मारपीट और धमकी दी गई।

चेक बाउंस होने के बाद शिकायत

जब इमरान ने एचडीएफसी बैंक, रेलवे रोड शाखा में चेक लगाए, तो वे स्टॉप्ड बाय ड्रॉवर की टिप्पणी के साथ वापस आ गए। पुलिस में शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित ने सीजेएम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने अजीर खान, सलीम, कुर्बान, मुदस्सिर और राकेश समेत पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है। सीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

फर्म मालिक पर गंभीर आरोप

इमरान खान ने बताया कि कोलकाता की फर्म के मालिक अजीर खान और मैनेजर सलीम ने विभिन्न तिथियों में माल खरीदा। अप्रैल 2024 तक बकाया राशि करोड़ों में पहुंच गई। जब इमरान जुलाई में कोलकाता गए, तो उन्हें अगली बार आने की बात कहकर वापस भेज दिया गया।

बंधक बनाकर धमकी दी गई

7 अगस्त 2024 को इमरान ने अपने बहनोई फिरोज खान और ताऊ के बेटे हाजी महबूब को तगादा करने भेजा। 21 सितंबर को अजीर ने उन्हें बुलाकर मिलने का वादा किया। लेकिन वहां पहुंचने पर अजीर, सलीम, कुर्बान, मुदस्सिर, राकेश और अन्य अज्ञात लोगों ने सभी को बंधक बनाकर धमकाया। आरोपियों ने कोलकाता से भागने की धमकी दी और केवल तीन 50-50 लाख के चेक दिए।

मोदीनगर तहसील में कामकाज रहा ठप, रजिस्ट्री कार्यालय भी बंद

मोदीनगर करंट क्राइम। बार एसोसिएशन मोदीनगर के बैनर तले तहसील में वकीलों की पूर्णतय हड़ताल रही और न्यायिक कार्य से सभी वकील विरत रहें, साथ ही दस्तावेज व बैनामा लेखक भी हड़ताल पर रहे और रजिस्ट्री नही हो सकी। तहसील में काम करने वाले टाईपिस्ट भी अपने काम पर नही पंहुचें। मंगलवार को बार एसोसिएशन मोदीनगर के अध्यक्ष उत्ताम त्यागी ने बताया कि बार एसोसिएशन गाजियाबाद के समर्थन में आज सभी अधिवक्ता, दस्तावेज व बैनामा लेखक भी हड़ताल पर रहे उन्होंने अपने चैम्बर बंद रखकर गाजियाबाद बार एसोसिएशन का समर्थन किया। इतना ही नही तहसील में काम करने वाले टाईपिस्ट भी काम पर नही पंहुचे उन्होंने वकीलों की मांगों को समर्थन किया है। वकीलों ने जमकर नारेबाजी करते हुसे जिला जज के स्थानान्तरण व वकीलों पर दर्ज मुकदमों को वापस लिये जाने सहित घायल वकीलों को आर्थिक सहायता की मांग की। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, पूर्व सचिव नकुल त्यागी, प्रेमवीर राठी, कुलदीप बंसल, अजित कुमार, अजय राठी, राजकुमार चैधरी, राजकुमार त्यागी, विनोद तेवतिया, जय सिंह, संजय मुद्गल, प्रवीण कुमार आदि वकील मौजूद रहें।

कार न मिलने पर ससुरालियों ने विवाहिता को घर से निकाला

मोदीनगर करंट क्राइम। दहेज में कार ना मिलने से गुस्सायें ससुरालियों ने विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया। पीडिता ने इस बावत पति सहित तीन लोगो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी हैं। संतपुरा निवासी मधुकर सिंह की बेटी श्रीमती शलाखा सिंह की शादी मई 2022 में देहरादून के बसंत बिहार निवासी राहुल ठाकुर से हुई थी। शादी में 20लाख रुपए खर्च हुये। शलाखा सिंह नोएडा की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी कर रही है। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही सुसराल पक्ष के लोगो ने उस पर कार की मांग की, मांग पूरी ना होने पर उसे मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। पीडिता की दी तहरीर पर पुलिस ने पति राहुल, ससुर राकेश व सास रेखा के खिलाफ गंभीर धाराओ में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

देहात मंडल में चुनाव संगठन को लेकर बैठक आयोजित

मोदीनगर करंट क्राइम। नगर देहात मंडल निवाड़ी में चुनाव संगठन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन मजबूती पर विस्तार से चर्चा के साथ महाराष्ट्र में ऐतिहासिक सफलता पर खुशी जताई गई।
मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल ने वहां मौजूद सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संगठन चुनावों के बारे में जानकारी दी और सक्रिय सदस्यता अभियान में सहभागिता निभाकर पार्टी को मजबूत बनाने और विश्व का सबसे बड़ा संगठन बनाने के लिए सभी को बधाई दी। बैठक में किसान मोर्चा जिला मंत्री संजय त्यागी, मंडल अध्यक्ष सचिन त्यागी, जिला उपाध्यक्ष राकेश त्यागी, रजनीश त्यागी, सुभाष त्यागी, पूर्व कोऑपरेटिव अध्यक्ष संजीव त्यागी आदि भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

विद्युत विभाग की एकमुश्त योजना का शुभारंभ

लोनी करंट क्राइम। स्थानीय विधायक ने मंगलवार को विद्युत विभाग की एकमुश्त समाधान योजना का उद्घाटन किया। इस योजना का उन विद्युत उपभौक्ताओं को लाभ मिलेगा, जिनका बिल काफी समय से जमा नही हुआ है और वह एक साथ बिल भरने में असमर्थ थे। इस मौके पर विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने विद्युत अधिकारियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के कार्य को तेजी के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। जबकि इंद्रापुरी कॉलोनी में वीरांगना झलकारी बाई के 194 जयंती समारोह में भाग लिया तथा उन्हे नमन कर कोली समाज को बधाई दी।

युवक और उसके कार चालक के साथ मारपीट की

लोनी करंट क्राइम। कार को रास्ता ना देने से नाराज दबंगों ने युवक और और उसके कार चालक के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीडित ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है। लोनी थाने के जाटव मौहल्ला निवासी सुन्दर ने बताया कि एक दिसम्बर की रात करीब 8.45 बजे वह अपनी कार में वापस घर लौट रहा था। टौली मौहल्ला में पीछे से आ रही एक कार ने उनके चालक से आगे निकलने के लिए रास्ता मांगा, लेकिन आगे रास्ता ना होने के कारण वह साइड नही दे सका। जिस पर दबंग कार चालक और उसके समर्थन में आए 10-15 लोगों ने उनके साथ गालीगलौच और मारपीट की। एक ढाबा संचालक ने उन्हे रोकने का प्रयास भी किया, लेकिन वह मारपीट करते रहे। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

पीतल के गहने सोने के बताकर दो लाख ठगे

लोनी करंट क्राइम। एक मजदूर ने मेडिकल स्टोर संचालक के पास अपने पीतल के गहने सोने के बताकर गिरवी रख दिए और दो लाख रुपए लेकर चंपत हो गया। पीडित ने कई दिन बाद गहने चेक कराए तो वह पीतल के निकले। पीडित ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है। अंकुर विहार थाने की खन्नानगर कॉलोनी निवासी संजय शर्मा का कॉलोनी में ही अभिषेक मेडिकल स्टोर है। आरोप है कि टीलाशहबाजपुर गांव में रहने वाला राजू के पास करीब एक किलो पीतल के नकली गहने लेकर आया और लड़की की शादी का वास्ता देकर उन्हे गिरवी रखकर पांच लाख रुपए उधार मांगे। स्टोर संचालक लालच में आ गया और उसने राजू को दो लाख रुपए देकर गहने गिरवी रख लिए, लेकिन जब उन्हे जौहरी की दुकान पर चेक कराने पहुंचा तो सारे गहने पीतल के निकले। पीडित ने मजदूर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

घर से 25 लाख रुपए चोरी करने का आरोप लगाया

लोनी करंट क्राइम। लोनी बार्डर थाने की खुशी वाटिका कॉलोनी निवासी अनिल कुमार ने अपने एक पडोसी पर अपने घर से 25 लाख रुपए नगद चोरी करने का आरोप लगाया है। आरोप है उसने अपना एक प्लाट 49 लाख रुपए में बेचा है। जिसके 25 लाख रुपए नगद तथा बाकी पैसे खाते में आए हैं। आरोप है कि उसके पडोसी को घर में पैसे रखे होने की जानकारी थी। सोमवार को वह किसी काम से घर का ताला बंद कर शहीदनगर चला गया था। पीछे से पैसों की चोरी कर ली गई। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया है कि पीडित ने अपना मकान प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत सरकार से 2.50 लाख रुपए की अनुदान राशि लेकर बनाया है, उसके पास 25 लाख रुपए कहां से आए इसकी जांच की जा रही है।

कई चौकियां खाली, कब मिलेंगे टू-स्टार

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद के अंतर्गत आने वाले तीन जोन की कई चौकियां खाली बताई जा रही हैं। बताया जा रहा है कि यहां जो टू-स्टार थे, वह या तो हटाए गए हैं या वह बाहर भेजे जा चुके हैं लेकिन नए टू स्टारों की चौकियों पर नई पोस्टिंग नहीं हो रही है। जिससे थाना प्रभारी और विवेचनाओं का काम थोड़ा टेंशन वाला होता जा रहा है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि सिटी जोन के अंतर्गत आने वाली कई चौकियां खाली हैं। तो लाइन के सबसे पास वाली चौकी पर भी सहायक टू-स्टार से कम लिया जा रहा है। इसके साथ ही सिटी के कई अन्य थानों का भी यही हाल है। तो वहीं नदियापार और देहात की भी ऐसी ही सूचना मिल रही है। अब सवाल उठ रहा है कि ना तो आचार संहिता हैं और ना कोई ऐसा मामला फिर क्यों चौकी पर टू- स्टार पोस्ट नहीं किया जा रहे हैं। उधर सूत्र कह रहे हैं कि कई अच्छे चेहरों की तलाश हो रही है लेकिन उनकी तलाश पूरी नहीं हो पा रही है। तो वहीं सुनने में यह भी आ रहा है कि 15 बैच जाने के बाद मामला थोड़ा टाइट चल रहा है। उधर चर्चा पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद के थानों और कार्यालयों में इस बात की भी है कि लगातार 2015 बैच से जुड़े फेस कहीं चार्ज पा रहे हैं, तो कहीं उनकी पोजीशन राइट बताई जा रही है। इसी के साथ पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में जो अंडर ट्रेनी टू-स्टार आए थे उनको भी अब कलम चलाने का मौका मिलना शुरू हो जाएगा। बीते दिनों उनको कार्य करने की मंजूरी मिलने की जानकारी दी गई है। इसी के साथ पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम में देखना होगा कि आने वाले दिनों में चौकी प्रभारी के स्तर पर किस जोन की लिस्ट पहले आती है और इस बार डीसीपी साहब लोग किस क्राइटेरिया को फुलफिल करके जिम्मेदारी सौपने का काम करते हैं। इसी के साथ कई एसीपी अपने क्षेत्र के खलीफा टू-स्टारों से परेशान हैं। वह कभी पीड़ित को फोन घूमते हैं, तो कभी फरियादी को परेशान करते हैं। ऐसे टू- स्टारों की भी लिस्ट एसीपी स्तर के अधिकारियों के पास मौजूद होने की जानकारी मिल रही है। कुल मिलाकर देखना होगा कि पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम में चौकी प्रभारी के स्तर पर फेरबदल वाली सूची कब जारी होती है और किस टू-स्टार पर कृपा और किसको सजा वाला लिफाफा मिलता है। वहीं सूत्र बता रहे हैं कि लाइन में भी टू- स्टार बड़ी संख्या में मौजूद हैं। कुछ से अधिकारी नाराज हैं, तो कुछ आराम फरमा रहे हैं। देखना होगा पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में दिसंबर की किस तारीख को टू-स्टारों पर कृपा होती है।

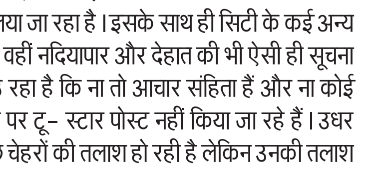

आयरन एंड स्टील व पान मसाला निर्माताओं की सीसीटीवी से होगी मॉनिटरिंग

कैमरे का एक्सेस राज्य कर विभाग को दिए जाने के निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। प्रदेश में पान मसाला व आयरन एंड स्टील निर्माता कंपनियों द्वारा की जा रही कर चोरी को रोकने के लिए कंपनियों के मुख्य प्रवेश द्वार पर कैमरा लगाया जाएगा। कैमरे का एक्सेस राज्य कर विभाग को दिया जाएगा। विभाग की ओर से कमरे की जांच कर टैक्स चोरी का पता लगाया जा सकेगा।

नवंबर के अंतिम सप्ताह से राज्य कर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पान मसाला व आयरन एंड स्टील निर्माण इकाइयों द्वारा जारी ई-वेबिल की शत प्रतिशत स्कैनिंग की जाए। इसी क्रम में प्रमुख सचिव राज्य कर उत्तर प्रदेश द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि पान मसाला व आयरन एंड स्टील निर्माण इकाइयों के मुख्य प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी कैमरा लगाया जायें। कंपनियों को इस कैमरे का एक्सेस राज्य कर विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों को देना आवश्यक होगा। अपर आयुक्त ग्रेड-1, राज्य कर गाजियाबाद जोन प्रथम/द्वितीय गाजियाबाद को शासन के दिशा निर्देशों का अनुपालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य कर विभाग ने नगर निगम से मांगा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत लगाएंगे कैमरे का एक्सेस

राज्य कर विभाग की ओर से नगर निगम गाजियाबाद से अनुरोध किया गया है कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत शहर के विभिन्न मार्गों के औद्योगिक क्षेत्र की पान मसाला व आयरन स्टील निर्माण इकाइयों के मुख्य प्रवेश द्वार पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरों का एक्सेस राज्य कर विभाग को दिया जाए। जिससे बिक्री की जांच की जा सके। कुछ समय पहले ही पान मसाला व आयरन स्टील निर्माण इकाइयों के स्वामियों के साथ हुई बैठक में भी राज्य कर विभाग की ओर से मुख्य प्रवेश द्वार पर लगे सीसीटीवी कैमरों का एक्सेस देने की मांग की गई है परन्तु सभी व्यापारियों द्वारा एक्सेस प्रदान नहीं किया गया हैं। इसके बाद से राज्य कर विभाग की ओर से शत प्रतिशत ईवे-बिल की स्कैनिंग के लिए अधिकारियों की 24 घंटे ड्यूटी लगा दी गई है।

पान मसाला पर विशेष नजर

राज्य कर विभाग की ओर से पान मसाला निमार्ता कंपनियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। ई-वे बिल का दुरुपयोग रोकने के लिए शत प्रतिशत स्कैनिंग की जा रही है। पान मसाला उत्पादों पर कर व सेस की दर अधिक होने के कारण कर्क पेंशन की संभावना अधिक रहती है। यही वजह है कि राज्य कर विभाग की ओर से राजस्व की रक्षा के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाकर टैक्स चोरी रोकने के प्रयास किया जा रहे हैं।

अपर आयुक्त ग्रेड-1, राज्य कर गाजियाबाद जोन प्रथम/द्वितीय गाजियाबाद दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पान मसाला व आयरन एंड स्टील निमार्ताओं के मुख्य प्रवेश द्वार पर कैमरे लगाए जाने के निर्देश शासन की ओर से प्राप्त हुए हैं। शासन के निर्देशों का जनपद में अनुपालन कराया जा रहा है। खरीद के बाद बिल प्राप्त करना सभी का अधिकार हैं। खरीद के बाद दुकानदार से बिल अवश्य लें। बिल लेने से कीमत पर कोई असर नहीं पड़ता है। यदि कोई दुकानदार बिल देने से मना करता है तो विभाग की ओर से जारी नंबर पर शिकायत करें।

शिकायत के लिए मोबाइल नंबर जारी

राज्य कर विभाग की ओर से सभी से अपील की गई है कि माल की खरीद करने पर अपना बिल अवश्य प्राप्त करें। बिल लेने से कीमत पर कोई असर नहीं पड़ता है। यदि कोई व्यापारी बिल देने से मना करता है इसकी शिकायत 7235001729 पर आवश्य करें।

रेलवे फाटक बंद होने से लगा लंबा जाम, यात्रियों ने किया जमकर हंगामा

मोदीनगर करंट क्राइम। हापुड़ मार्ग स्थित तिबड़ा रोड फाटक ना लगने के कारण सहारनपुर से दिल्ली जाने वाली टूडीएस पैसेंजर ट्रेन हनुमान कॉलोनी के सामने लगभग 50 मिनट से अधिक समय तक खड़ी रही। इससे नाराज ट्रेन में सवार यात्रियों व फाटक लगने से जाम में खडें लोगों ने जमकर हंगामा भी किया।

बताते चले कि सहारनपुर से दिल्ली जाने वाली पैसेंजर ट्रेन सुबह आठ बजे बजे मोदीनगर रेलवे स्टेशन पर पहुंच जाती है। मंगलवार सुबह ट्रेन जैसे ही हनुमानपुरी कॉलोनी के पास पहुंची तो ट्रेन चालक को स्टेशन अधीक्षक की ओर से गाड़ी रोकने का सिग्नल दिया गया। इसके बाद ट्रेन को हनुमानपुरी कॉलोनी के सामने रोक दिया गया।

मोदीनगर में हापुड़ रोड व तिबड़ा रोड स्थित रेलवे फाटक में तकनीकी कमी आने के कारण वह बंद नही हो पाया, जिस कारण ट्रेन को रोकना पड़ा। ट्रेन में सवार यात्रियों ने जब इसका कारण पूछा तो उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इस बात से नाराज होकर यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। दोनों फाटक काफी देर तक बंद रहने के कारण हापुड़ रोड व तिबड़ा फाटक पर लंबा जाम लग गया, उधर जाम में फसे लोगों ने भी रेलवे विभाग को जमकर कोसा और कई लोगों की रेलवे फाटक मैने से कहासुनी भी हुई।

जाम के कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर वाहनों की तीन किलोमीटर तक लंबी लाइन लग गई। स्टेशन अधीक्षक का कहना है कि तकनीकी दिक्कत के चलते ऐसा हुआ है। लाइन क्लियर करके ट्रेन को आगे के लिए रवाना कर दिया है।

बारात से लौट रहे युवक को रास्ता पूछने पर दबंगों ने पीटा

एक नामजद समेत 3 पर केस दर्ज

नोएडा करंट क्राइम। नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के सलारपुर गांव के पास से रास्ता पूछने पर एक युवक और उसके परिवार के लोगों को तीन दबंगों ने डंडों से हमलाकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस संबंध में पीड़ित ने एक नामजद समेत तीन आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में केस दर्ज कराया है। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के मिजार्पुर गांव निवासी जसविंदर ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि सोमवार रात को वह हरियाणा के छांयसा गांव में अपने एक रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में गए थे। जहां से वह देर रात को वापस लौट रहे थे। उनका कहना है कि अंधेरा होने की वजह से वह रास्ता भटक गए। जिसके बाद वह सलारपुर गांव में गाड़ी को लेकर पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने वहां से निकल रहे एक व्यक्ति से रास्ता पूछा। इसी बात से गुस्साए आरोपी ने अपने परिवार के अन्य लोगों को बुलाकर पीड़ित और उसके परिवार के लोगों को गाड़ी से उतारकर डंडों से पीटकर घायल कर दिया। इस घटना में पीड़ित के हाथ पैर में गंभीर चोट आई है। इस दौरान पीड़ित ने एक आरोपी की पहचान कर ली। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने बिन्नी समेत 3 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

अंतरिक्ष में लगा 'ट्रैफिक जाम', बना खतरा!

पृथ्वी की निचली कक्षा में विभिन्न देशों के 14 हजार सैटेलाइट लगा रहे हैं चक्कर

वाशिंगटन। दुनियाभर के देशों में यातायात जाम एक बड़ी समस्या बन गया है, लेकिन अब अंतरिक्ष भी इस समस्या से अछूता नहीं रह गया है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की अपील की है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही पृथ्वी की कक्षा में उपग्रहों की बढ़ती संख्या पर ध्यान न

उपग्रहों के संचालक देशों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान की जरूरत

दरअसल पृथ्वी की निचली कक्षा में हजारों की संख्या में विभिन्न देशों के उपग्रह चक्कर लगा रहे हैं, साथ ही करोड़ों की संख्या में उपग्रहों का मलबा लगातार घूम रहा है, जिससे अंतरिक्ष गतिविधियों के लिए खतरा पैदा हो गया है। अंतरिक्ष विशेषज्ञों ने हालात पर चिंता जाहिर की है और इस समस्या के समाधान के लिए दिया गया तो यह अहम क्षेत्र अनुपयोगी हो सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, वर्तमान में 14 हजार से ज्यादा विभिन्न उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में परिक्रमा कर रहे हैं, जिनमें से करीब 3500 निष्क्रिय हैं। साथ ही पिछले प्रक्षेपणों और उपग्रहों के टकराव से पैदा हुए मलबे से हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। रिपोर्ट्स के

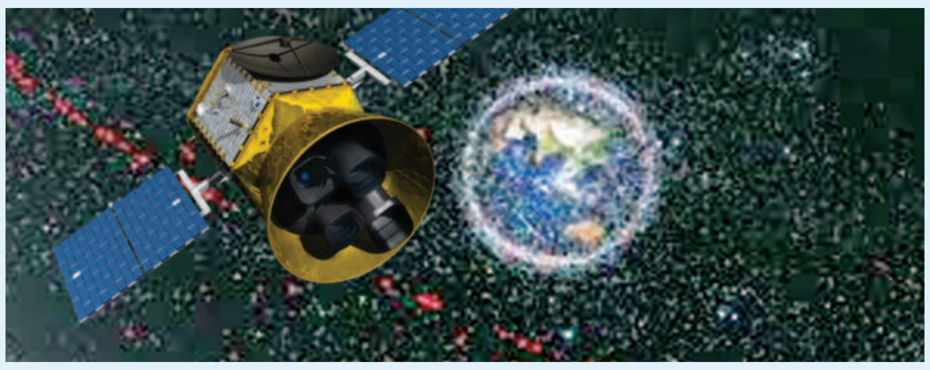

अनुसार, पृथ्वी की निचली कक्षा में उपग्रहों के मलबे के 12 करोड़ टुकड़े पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगा रहे हैं। अक्तूबर के अंत में संयुक्त राष्ट्र के अंतरिक्ष यातायात समन्वय पैनल ने एलईओ (लो अर्थ ऑर्बिट-पृथ्वी की निचली कक्षा) के का व्यापक डेटाबेस तैयार करने की जरूरत पर जोर दिया है।

पैनल की सह-अध्यक्ष और बाहरी अंतरिक्ष मामलों की निदेशक आरती होला मैनी का कहना है कि अंतरिक्ष यातायात समन्वय पर तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है और इसमें समय बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। उपग्रहों के बीच टकराव से बचने के लिए ऑपरेटर देशों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान करने की जरूरत है। गौरतलब है कि वैश्विक संचार, नेविगेशन सिस्टम और वैज्ञानिक रिसर्च के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा की सुरक्षा करना बेहद जरूरी है।

उपग्रहों के टकराव को रोकने के लिए एक केंद्रीकृत प्रणाली स्थापित करने की जरूरत बताई गई है। हालांकि इसमें चुनौती ये है कि कुछ देश को डेटा साझा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन कई देश सुरक्षा संबंधी चिंताओं के चलते डेटा साझा करने से हिचकिचा रहे हैं। पृथ्वी की परिक्रमा कर रहीं कई सैटेलाइट नागरिक के साथ ही सैन्य उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लॉन्च की गई हैं और इस वजह से ही सैटेलाइट्स का डेटा साझा करने के लिए कई देश तैयार नहीं हैं।

निजी कमर्शियल सैटेलाइट के लॉन्च ने बिगाड़े हालात

हाल के समय में कई उपग्रहों के टकराने से जोखिम बढ़ा है। अगस्त में एक चीनी रॉकेट में विस्फोट हो गया था, जिससे उसका मलबा पृथ्वी की कक्षा में बिखर गया। इसी तरह जून में भी रूस के एक निष्क्रिय सैटेलाइट में विस्फोट होने से उसका मलबा अंतरिक्ष में फैल गया और इसके चलते अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्रियों की जान पर बन आई थी। अब जैसे जैसे वाणिज्यिक स्तर पर सैटेलाइट्स लॉन्च की जा रही हैं, उसने हालात को और बिगाड़ दिया है। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक हजारों उपग्रह लॉन्च कर रही है, जिससे अंतरिक्ष में टकराव की आशंका बढ़ी है। अनुमान के अनुसार, आने वाले वर्षों में कई हजार उपग्रह लॉन्च हो सकते हैं, जिससे उपग्रहों की टक्कर के चलते अरबों डॉलर के नुकसान की आशंका है।

ब्रिटिश सांसद ने हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर जताई नाराजगी

अपनी सरकार से की कार्रवाई की मांग

लंदन। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार आलोचकों के निशाने पर है। अब ब्रिटेन की भारतीय मूल की सांसद प्रीति पटेल ने भी इस पर नाराजगी जाहिर की और साथ ही ब्रिटेन की कीर स्टार्मर सरकार से मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

'बांग्लादेश की सरकार के सामने इस मुद्दे को उठाए ब्रिटिश सरकार' : प्रीति पटेल ने संसद में दिए अपने संबोधन का वीडियो सोशल मीडिया पर भी साझा किया है। इस पोस्ट के कैप्शन में प्रीति पटेल ने लिखा कि 'बांग्लादेश में जारी हिंसा को लेकर चिंतित हूं और मेरी दुआएं उन लोगों के साथ हैं, जो इस हिंसा से प्रभावित हैं। संसद में मैंने आज सरकार से अपील की कि वे बांग्लादेश की सरकार से इस मुद्दे पर बात करें। धर्म के आधार पर हो रहे भेदभाव और हिंसा से लोगों की जिंदगी बचाने के लिए कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।'

ब्रिटिश सांसद और ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं, वे बेहद चिंताजनक हैं। बांग्लादेश में एक हिंदू साधु की गिरफ्तारी पर भी प्रीति पटेल ने चिंता जाहिर की और ब्रिटिश सरकार से अपील की कि वे चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई के लिए कार्रवाई करे।

बांग्लादेश में जारी है अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा

गौरतलब है कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के बाद से पड़ोसी मुल्क में अल्पसंख्यकों खासकर हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं। इस हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने के चलते बीते दिनों बांग्लादेश में राजद्रोह के आरोप में एक हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार कर लिया गया। चिन्मय कृष्ण दास के साथ ही इस्कॉन से जुड़े चार अन्य साधु भी लापता हैं, और दावा किया जा रहा है कि उन्हें भी बांग्लादेश की पुलिस ने हिरासत में लिया हुआ है।

कार्यकाल खत्म होने से पहले बाइडन ने दिया भारत को तोहफा

एक अरब डॉलर के रक्षा सौदे को दी मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन का कार्यकाल खत्म होने में अब कुछ ही हफ्तों का समय बाकी है। अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले बाइडन ने भारत के लिहाज से अहम फैसला लेते हुए एक रक्षा सौदे को अपनी मंजूरी दे दी है। इस रक्षा सौदे के तहत भारत को अमेरिकी कंपनियों से एमएच-60आर मल्टी मिशन हेलीकॉप्टर के अहम रक्षा उपकरण मिलेंगे, जिससे भारत की सुरक्षा मजबूत होगी। यह सौदा अनुमानित 1.17 अरब डॉलर का है। राष्ट्रपति बाइडन ने अपने फैसले की सूचना अमेरिका कांग्रेस को भी दे दी है।

सौदे के तहत भारत को मिलेंगे अहम रक्षा उपकरण

भारत को प्रमुख रक्षा उपकरणों की बिक्री का बाइडन सरकार का फैसला कार्यकाल पूरा होने से कुछ दिनों पहले ही आया है। इस फैसले से भारत को राहत मिली है क्योंकि अगर बाइडन प्रशासन सौदे को मंजूरी नहीं देता तो नई सरकार के गठन के बाद इसकी मंजूरी में और समय लग सकता था। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। इस सौदे के तहत भारत को 30 मल्टीफंक्शन इंफोर्मेशन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम जॉइंट टैक्टिकल रेडियो सिस्टम भी मिलेंगे। इसमें उन्नत डेटा ट्रांसफर सिस्टम, बाहरी इंधन टैंक, फॉरवर्ड लुकिंग इंफ्रारेड सिस्टम, ऑपरेटर मशीन इंटरफेस, अतिरिक्त कंटेनर आदि मिलेंगे, साथ ही डिजाइन, निर्माण और परीक्षण में भी अमेरिका द्वारा मदद दी जाएगी।

अमेरिका की ये कंपनियां करेंगी हथियारों की सप्लाई : इस सौदे के तहत रक्षा उपकरणों की सप्लाई अमेरिकी रक्षा कंपनी लॉकहीड मार्टिन और मिशन सिस्टम द्वारा की जाएगी। इन हथियारों की बिक्री और तकनीकी सहायता के लिए अमेरिकी सरकार के 20 कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्ट कंपनियों के 25 प्रतिनिधि भारत दौरे पर जाएंगे। अमेरिकी सरकार की अधिसूचना में कहा गया है कि इससे अमेरिका के रणनीतिक सहयोगी भारत की रक्षा तैयारियों में मजबूती आएगी।

डाटा ट्रांसफर प्रणालियां भी हैं शामिल

इसमें उन्नत डाटा स्थानांतरण प्रणालियां भी शामिल थीं। इस बिक्री में मुख्य अनुबंध लाकहीड मार्टिन रोटरी एंड मिशन सिस्टम्स के साथ होगा। इस बिक्री के कार्यान्वयन को लेकर कार्यक्रम तकनीकी सहायता और प्रबंधन निरीक्षण के लिए अस्थायी आधार पर 20 अमेरिकी सरकार के प्रतिनिधि या अनुबंध कंपनी के 25 प्रतिनिधियों को भारत की यात्रा की आवश्यकता होगी।

बेजोड़ है टल्-60फ हेलीकॉप्टर : लॉकहीड मार्टिन के बनाए एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल अमेरिकी नौसेना समेत कई देशों की नेवी करती हैं। यह हेलीकॉप्टर 95 फीसदी उड़ान तत्परता और उपलब्धता को सक्षम बनाता है, जो किसी भी अन्य समुद्री हेलीकॉप्टर में नहीं है। एमएच-60आर सीहॉक नौसेना को पनडुब्बी रोधी युद्ध और सतह रोधी युद्ध में अभूतपूर्व क्षमता प्रदान करता है।

कितना ताकतवर है सीहॉक?

इस हेलीकॉप्टर में एडवांस्ड डिजिटल सेंसर लगे हैं, जिसमें मल्टी-मोड रडार, इलेक्ट्रॉनिक सपोर्ट मेजर सिस्टम, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड कैमरा, डेटालिंक, एयरक्राफ्ट सर्वाइवेबिलिटी सिस्टम, डिपिंग सोनार और सोनोबॉय शामिल हैं। पूरी तरह से एकीकृत मिशन सिस्टम सेंसर डेटा को प्रोसेस करके समुद्र की सतह और सबसी डोमेन की पूरी स्थिति का चित्र बनाता है। इस पर मौजूद हथियारों में टॉरपीडो, हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलें और रॉकेट और चालक दल द्वारा संचालित बंदूकें शामिल हैं।

'मेरे पद ग्रहण करने से पहले बंधकों को रिहा करें वरना...' : ट्रंप

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने दी हमास को परिणााम भुगतने की चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व में चल रहे बंधकों के संकट को लेकर हमास को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने हमास को निश्चित समयसीमा देते हुए साफ कहा कि अगर बंधकों को 20 जनवरी, 2025 यानी व्हाइट हाउस में उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से पहले रिहा नहीं किया गया, तो उसे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने यह चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करने तक ऐसा नहीं किया गया तो इसे निश्चित मानें कि उसे मध्य पूर्व में बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी और उन लोगों को भी भुगतना पड़ेगा जिन्होंने मानवता के खिलाफ इन अत्याचारों को अंजाम दिया।

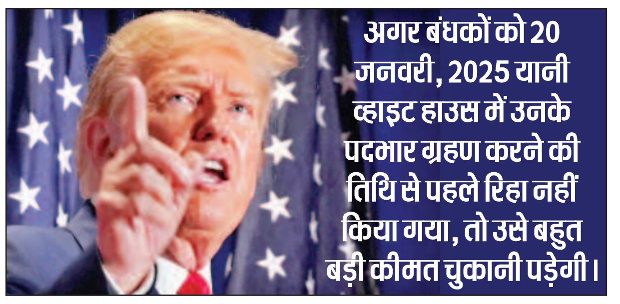

अपनी पोस्ट में ट्रंप ने इस मामले पर पिछली वाताओं पर भी तंज कसा।। उन्होंने दावा किया कि बंधकों को जिन स्थानों पर रखा गया था, उनके बारे में वाताएं हुई थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने इस स्थिति को हिंसक और अमानवीय बताया। ट्रंप ने कहा कि हर कोई बंधकों के बारे में बात कर रहा है, जिन्हें मध्य पूर्व में इतनी हिंसक, अमानवीय और पूरी दुनिया की इच्छा के विरुद्ध रखा गया है, लेकिन केवल बातें की जा रहीं हैं, कोई कार्रवाई नहीं।

इस दौरान ट्रंप ने कसम खाते हुए कहा कि लेकिन अब बंधक बनाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अमेरिका ऐसी कार्रवाई करेगा जैसी अभी तक किसी भी विदेशी संस्थाओं के खिलाफ नहीं की गई। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि जिम्मेदार लोगों पर संयुक्त राज्य अमेरिका के लंबे और इतिहास में किसी पर भी जितना प्रहार नहीं किया गया है, उससे भी अधिक प्रहार किया जाएगा। बंधकों को अभी रिहा करें।

गौरतलब है कि 7 अक्तूबर को हमास ने इस्राइल पर एक आतंकी हमला किया था, जिससे एक नए युद्ध की शुरूआत हुई। उस हमले में 1,200 से अधिक लोग मारे गए और 250 से अधिक बंधक बनाए गए । उनमें से लगभग 100 लोग अभी भी हमास की कैद में हैं। हालांकि कई और के मारे जाने की आशंका है। हमास के हमले के जवाब में इस्राइल ने गाजा में हमास के अड्डों को निशाना बनाते हुए जवाबी हमले किए । इस्राइल की जवाही कार्रवाई में गाजा में 45,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है।

2 जनवरी तक जेल से बाहर नहीं आएंगे चिन्मय दास

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका पर होने वाली सुनवाई मंगलवार को टाल दी गई। चटगांव की अदालत में इस मामले में चिन्मय दास की तरफ से दलील रखने के लिए कोई वकील मौजूद नहीं था। इसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई टाल दी। इस बीच इस्कॉन ने कहा है कि चिन्मय दास के वकील रामेन रॉय, जिन पर हाल ही में हमला हुआ था, कि हालत गंभीर बनी हुई है।

इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने बांग्लादेश में मौजूद संस्था से जुड़े पुजारियों से अपील की है कि वह सार्वजनिक तौर पर भगवा कपड़े न पहनें और न ही तिलक लगाएं। उन्होंने कहा, ‘हमने सलाह दी है कि वह अपनी आस्था का विनम्र ढंग से पालन करें।

इससे पहले राधारमण दास ने दावा किया था कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रमुख चेहरे चिन्मय कृष्ण दास प्रभु का बचाव करने वाले वकील रामेन रॉय पर क्रूरतापूर्वक हमला किया गया है। वह हमले में गंभीर रूप से घायल हुए हैं और अस्पताल में अपने जीवन के लिए लड़ रहे हैं। दास ने कहा कि वकील रॉय की एकमात्र गलती अदालत में चिन्मय प्रभु का बचाव करना था।

पूर्व पीएम इमरान और पत्नी बुशरा बीबी सहित 94 लोगों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालत ने सोमवार को इमरान खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और 93 अन्य के लिए गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत द्वारा जारी किया गया ये वारंट खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी समर्थकों द्वारा इस्लामाबाद में पिछले सप्ताह के विरोध प्रदर्शन से संबंधित है।

2023 से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम खान ने 13 नवंबर को 24 नवंबर को होने वाले देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के लिए अंतिम आह्वान किया था। इसमें पीटीआई के चुनावी जनादेश की बहाली, हिरासत में लिए गए पार्टी सदस्यों की रिहाई और 26 वां संविधान संशोधन कानून को उलटने की मांग की गई थी। पार्टी के अनुसार, इस्लामाबाद में मुख्य विरोध प्रदर्शन झड़पों में समाप्त हुआ, जिसमें

आतंकवाद रोधी अदालत का फरमान

12 पीटीआई समर्थक मारे गए, जबकि सैकड़ों को गिरफ्तार किया गया।

विरोध प्रदर्शन के बाद दर्ज की गई पहली एफआईआर : विरोध प्रदर्शन के बाद पहली एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें पाकिस्तान दंड संहिता, आतंकवाद रोधी अधिनियम, शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था अधिनियम की विभिन्न धाराएं शामिल थीं। एफआईआर में पीटीआई नेताओं पर साजिश के तहत पुलिस कर्मियों पर हमला करने और विरोध प्रदर्शन के दौरान सरकारी कर्मचारियों का इस्तेमाल अपने उद्देश्यों के लिए करने का आरोप लगाया। यह भी कहा गया कि प्रदर्शनकारियों की हरकतों के कारण स्थानीय लोग अपने घरों में फंस गए और भय और दहशत फैल गई।

इस्लामाबाद पुलिस ने एटीसी को सौंपी 96 संदिग्धों की सूची : इस्लामाबाद पुलिस ने इस्लामाबाद स्थित आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) में 96 संदिग्धों की एक सूची सौंपी, जिसमें खान, बीबी, गंडापुर, पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, पूर्व नेशनल असेंबली स्पीकर असद कैसर, पीटीआई अध्यक्ष गौहर खान, नेशनल असेंबली में विपक्षी नेता उमर अयूब खान और कई अन्य के नाम शामिल हैं।

एटीसी ने इस्लामाबाद पुलिस की अपील स्वीकार की : 96 संदिग्धों की सूची सौंपने के बाद इस्लामाबाद पुलिस ने एटीसी से उनके गिरफ्तारी वारंट जारी करने की अपील की। एटीसी न्यायाधीश ताहिर अब्बास सिप्रा ने पुलिस के अनुरोध को स्वीकार कर लिया और सभी संदिग्धों के लिए गैर-जमानती वारंट जारी किए।

अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा हिजबुल्ला

संघर्ष विराम समझौते का किया उल्लंघन, आईडीएफ ने दी चेतावनी

यरुशलम। बीते एक साल से ज्यादा समय से इस्राइल और हमास के बीच जंग जारी हैं। वहीं, इस युद्ध की लपटें लेबनान और ईरान तक पहुंच चुकी हैं। हालांकि, शांति की एक पहल के रूप में इस्राइल और लेबनान ने शुरूआती दो महीने के लिए 27 नवंबर को संघर्ष विराम समझौते पर मुहर लगाई थी। मगर इस बीच, हिजबुल्ला और इस्राइल के बीच फिर तनातनी दिखी। दरअसल, इस्राइल का दावा है कि हिजबुल्ला ने संघर्ष विराम समझौते का उल्लघंन किया है। साथ ही चेतावनी दी है कि वह भी अपने नागरिकों की रक्षा के लिए काम करना जारी रखेगा।

इस्राइली रक्षा बलों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'इस्राइल की वायुसेना ने थोड़ी देर पहले लेबनान में हिजबुल्ला के आतंकवादियों, दर्जनों लांचरों और आतंकवादी बुनियादी ढांचे को मार गिराया। इसके अलावा, माउंट डोव की ओर दो प्रोजेक्टाइल हमले करने के तुरंत बाद वायुसेना ने दक्षिणी लेबनान

'इस्राइल ने दिया हिजबुल्ला को मुंह तोड़ जवाब'

के बरघोज क्षेत्र में हिजबुल्ला के लॉन्चर पर हमला किया।'

संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन : उसने आगे कहा, 'हिजबुल्ला का आज रात का हमला इस्राइल और लेबनान के बीच संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन है। इस्राइल मांग करता है कि लेबनान में संबंधित पक्ष अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करें और लेबनानी क्षेत्र के भीतर से हिजबुल्ला की शत्रुतापूर्ण गतिविधि को रोकें। इस्राइल लेबनान में युद्धविराम समझौते की शर्तों को पूरा करने के लिए बाध्य है।'

साथ ही चेतावनी देते हुए इस्राइली रक्षा बलों ने कहा, 'आईडीएफ जहां भी जरूरी होगा संचालन जारी रखने के लिए तैयार है और इस्राइल के नागरिकों की रक्षा के लिए काम करना जारी रखेगा।'

इस्राइल के युद्धविराम उल्लंघन का जवाबः हिजबुल्ला : इससे पहले, हिजबुल्ला ने सोमवार को कब्जे वाले शेबा फार्म्स पर दो मिसाइलें दागी थीं। बीते बुधवार को युद्धविराम समझौता लागू होने के बाद हिजबुल्ला का यह पहला हमला था। इस्राइली सेना ने कहा था कि ये मिसाइलें खुले इलाकों में गिरीं और किसी को नुकसान नहीं हुआ। वहीं, हिजबुल्ला ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा था कि यह हमला इस्राइल द्वारा बार-बार युद्धविराम उल्लंघन का जवाब था।

लेबनान ने इस्राइल पर पिछले छह दिनों में 50 से अधिक बार संघर्ष विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। हिजबुल्ला ने कहा था कि इस्राइल के संघर्ष विराम उल्लंघनों ने कई रूप ले लिए हैं, जिनमें नागरिकों के खिलाफ गोलीबारी और लेबनान के विभिन्न क्षेत्रों पर हवाई हमले शामिल हैं। इन हमलों के परिणामस्वरूप कई नागरिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में ई-लॉटरी का आयोजन

कृषकों को कृषि यंत्रों के प्रयोग पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए : डीएम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में विकास खण्डवार ई-लॉटरी का आयोजन किया गया। ई-लॉटरी के समय राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (तिलहन) तथा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाईजशन के अन्तर्गत यन्त्रों की विकास खण्डवार ई-लॉटरी के माध्यम से कृषकों का चयन किया गया है। सबसे पहले सी.एच.सी. ग्रामीण उद्यमी का ई-लॉटरी द्वारा कृषकों का चयन किया गया। इसी क्रम में उपस्थित जन समुदाय के बीच कल्टीवेटर, रोटावेटर, चैपकटर, जीरो ट्रिल सीडड्रिल, लेजर लेण्ड लेवलर, तथा हैरों यन्त्र हेतु ई-लॉटरी द्वारा कृषकों का चयन किया गया। सभी विकास खण्डों के ग्राम पंचायतों से लगभग 40 कृषक तथा ई-लॉटरी हेतु समिति के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। उपस्थित किसानों जिनका चयन हुआ समिति के सामने पारदर्शी तरीके से यन्त्रों का चयन किया गया। जिन कृषकों का चयन ई-लॉटरी के समय किया गया। उपस्थित जनसमुदाय द्वारा ताली बजाकर बधाई एवं शुभकानाएं प्रेषित की गयीं।

इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी के साथ-साथ मुख्य विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला उद्यान अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, गुफरान प्रगतिशील कृषक, मामचन्द प्रगतिशील कृषक, ललित त्यागी प्रगतिशील कृषक, सन्नी प्रगतिशील कृषक, कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रतिनिधि, जिला अग्रणी बैक प्रबन्धक तथा जिला सूचना विज्ञान अधिकारी कार्यालय से सहायक जिला सूचना अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया। ई-लॉटरी की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी भी की गयी। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि आज के आधुनिक युग मशीनीकरण का युग है। अतः उपस्थित कृषकों को कृषि यन्त्रों के प्रयोग पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने की जनसुनवाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह प्रतिदिन अपने नियमित समय प्रातः10:00 बजे से अपने कार्यालय में जनसुनवाई करते हैं। इस दौरान मंगलवार को डे ऑफिसर के रूप में एडीएम ई रणविजय सिंह उपस्थित रहे।

समयनिष्ठ, कर्त्तव्यनिष्ठ एवं संवेदनशील अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं डीएम इन्द्र विक्रम सिंह

बताते चलें कि जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह एक समयनिष्ठ, कर्त्तव्यनिष्ठ एवं संवेदनशील अधिकारी के रूप में जाने व पहचाने जाते हैं। वे प्रतिदिन समय से कार्यालय पहुंचते हैं जिससे उनकी समयनिष्ठता का पता चलता है तो वहीं अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सही कार्य ना करने पर उन पर सख्त कार्यवाही करते हैं जिससे उनकी संवेदनशील अधिकारी के रूप में पहचान होती है तो किसी कार्य के निस्तारण के आदेश देने के उपरान्त देरी होने पर या लापरवाही या गुणवत्ता से समाधान ना होने पर सम्बंधित को दण्डित करते हुए अपने कार्यालय पर बैठाकर उनसे शिकायत का गुणवत्तापूर्ण समाधान करवाया जाता है जिसमें उनकी कर्त्तव्यनिष्ठा दिखाई देती है। प्रतिदिन की तरह आज भी उनके द्वारा कई शिकायतकर्ता पीड़ितों की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया।

22 दिसंबर को होगा विवाह योग्य त्यागी युवक-युवती सम्मलेन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 22 दिसम्बर को अखिल भारतीय त्यागी ब्राह्मण सभा विवाह योग्य त्यागी युवक-युवती सम्मलेन का आयोजन करने जा रही है। इस बारे में जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष सुरेश त्यागी और महानगर अध्यक्ष पुनीत त्यागी ने बताया कि आयोजन की तैयारी की जा रही है। यह आयोजन राजनगर एक्सटेंशन के सोना गार्डन में किया जायेगा। इसमें विवाह योग्य युवक युवती के परिचय के साथ ही पत्रिका का विमोचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा। कार्यक्रम 22 दिसंबर की सुबह 8:30 बजे हवन के साथ शुरू होगा, जो दोपहर बाद तक चलेगा। इस कार्यक्रम में उप्र, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान जैसे अनेक राज्यों से लोग हिस्सा लेंगे।

संभव जनसुनवाई के दौरान प्राप्त हुए 7 संदर्भ, अधिकारियों ने की कार्रवाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की नेतृत्व में जल समस्याओं के समाधान पर प्राथमिकता पर कार्यवाही कर रहा है जिसमें संभव के अंतर्गत प्राप्त हुए संदर्भों पर भी तत्काल अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की गई। संभव जनसुनवाई में 7 संदर्भ प्राप्त हुए, जिसमें निर्माण 2, स्वास्थ्य 1, संपत्ति 1 तथा अतिक्रमण 3 संबंधित संदर्भ प्राप्त हुए। संभव जनसुनवाई के दौरान समस्त विभाग के अधिकारी तथा अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव उपस्थित रहे।

क्षेत्रवासियों ने किया धन्यवाद

करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम के सभी अधिकारियों तथा जोनल प्रभारीयों को भी नगर आयुक्त के द्वारा जन समस्याओं के समाधान को लेकर प्राथमिकता पर कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिए गए। प्राथमिकता पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए गए। वार्ड संख्या 17 सेवा नगर की निवासियों द्वारा नगर आयुक्त के तत्काल कार्यवाही पर धन्यवाद जताया गया। महापौर तथा नगर आयुक्त के नेतृत्व में जन समस्याओं के समाधान पर प्रमुखता से कार्यवाही की जा रही है जो की सराहनीय है।

वार्ड 17 सेवा नगर की पेयजल समस्या को सुन, महाप्रबंधक जल पर भड़के नगर आयुक्त

करंट क्राइम। वार्ड संख्या 17 सेवा नगर के निवासियों द्वारा भी पेयजल समस्या को लेकर नगर आयुक्त से मुलाकात की गई जिस पर नगर आयुक्त द्वारा समस्याओं को सुनते हुए महाप्रबंधक जल को सख्त निर्देश दिए, मौके पर टीम को भिजवाकर तत्काल कार्यवाही कराई गई। वार्ड संख्या 17 सेवा नगर लगे हुए 10 एच पी नलकूप की जांच करने के लिए अवर अभियंता जल मयंक मिश्रा मौके पर पहुंचे। क्षेत्रीय जनता से समन्वय बनाते हुए पार्षद जय किशन पाल के साथ मिलकर मौके पर समाधान के लिए कार्रवाई की।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस : भागीरथ कैंपस में 'योग, खेल-कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम' का भव्य आयोजन

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अभिनव गोपाल ने संयुक्त रूप से किया

करंट क्राइम। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9 बजे से होकर शाम 5 बजे खत्म हुआ। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि अभिनव गोपाल (आई ए एस), मुख्य विकास अधिकारी, ओपी यादव जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सुधीर त्यागी जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी, डॉ. राकेश कुमार, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा, अमिताभ सुकुल, निदेशक भागीरथ सेवा संस्थान, अनादि सुकुल, निदेशक भागीरथ पब्लिक स्कूल, डॉ. राजकुमार जिला व्यायाम शिक्षक, डॉ. नवदीप जोशी निदेशक पहले योगासन स्पोर्ट्स प्रमोशन कमेटी और डॉ. विक्रम सिंह, खेल निदेशक जेएनयू द्वारा सम्मिलित रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भागीरथ सेवा संस्थान, समग्र शिक्षा अभियान एवं समेकित शिक्षा के संयुक्त तत्वावधान में 'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस' के अवसर पर 'योग, खेल-कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम' का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन भागीरथ कैंपस, संजय नगर, गाजियाबाद में हुआ, जिसमें गाजियाबाद की विभिन्न संस्थाओं एवं स्पेशल स्कूलों के 400 से ज्यादा दिव्यांग बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के दौरान भुजंगासन में सर्वाधिक समय (5 मिनट) तक रुक कर योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में कीर्तिमान भी स्थापित किया गया।

दिव्यांग बच्चों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

करंट क्राइम। दीप प्रज्वलन के बाद गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। दिव्यांग बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे कविता पाठ, गायन, डांस आदि का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं जैसे नींबू रेस, छू कर पहचानो, दौड़ आदि में दिव्यांग बच्चों ने हिस्सा लिया। दिव्यांग बच्चों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेकर खूबसूरत पेंटिंग बनाई। विभिन्न खेलों व प्रतियोगिताओं में अव्वल आने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

5 मिनट तक भुजंगासन में रुक कर योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया कीर्तिमान

करंट क्राइम। इस कार्यक्रम की खास उपलब्धि रही भुजंगासन में सर्वाधिक समय (5 मिनट) तक रुक कर योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में कीर्तिमान स्थापित करना। इस मौके पर योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड काउंसिल के मुख्य संरक्षक डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव, वाईबीडब्ल्यूआरसी की चीफ एडिटर डॉ. मालविका सिंह व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

भागीरथ सेवा संस्थान के निदेशक अमिताभ सुकुल ने की बच्चों की हौसलाअफजाई

करंट क्राइम। भागीरथ सेवा संस्थान के निदेशक अमिताभ सुकुल ने बच्चों की हौसलाअफजाई के लिए आये तमाम अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने डॉ राकेश कुमार, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा और डॉ राजकुमार जिला व्यायाम शिक्षक को इस विशेष प्रयास के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि दिव्यांगजन को समाज के मुख्य धारा में लाने और उन्हें सबके बराबर खड़ा करने के लिए शिक्षा और स्वावलम्बन सबसे ज्यादा जरूरी है और भागीरथ सेवा संस्थान इसी क्षेत्र में काम कर रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने भागीरथ सेवा संस्थान, समग्र शिक्षा अभियान एवं समेकित शिक्षा के संयुक्त तत्वावधान में किए गए इस भव्य कार्यक्रम की दिल खोलकर प्रशंसा की। कार्यक्रम में नींव शक्ति, नई दिशा, आनंद ट्रेनिंग, आशा विद्यालय, पहचान ट्रस्ट, इंस्टिट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन, होम साईं स्पेशल स्कूल, साथी फाउंडेशन सहित एक दर्जन से ज्यादा संस्थाओं के दिव्यांग बच्चों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम को पारा योगासन स्पोर्ट्स प्रमोशन कमेटी का भी भरपूर सहयोग मिला। मंच का संचालन प्रतियोगिता प्रबंधक डॉ. यश पाराशर ने किया।

नि:शुल्क आयुष्मान कैम्प का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष विनीत शर्मा व महामंत्री नीरज त्यागी के तत्वावधान में संजय नगर में 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 5 लाख रुपए की मुफ्त इलाज की आयुष्मान योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु निःशुल्क आयुष्मान कैम्प का आयोजन किया गया।

आयुष्मान कैम्प का शुभारंभ पूर्व महापौर आशु वर्मा एवं पार्षद पप्पू नागर द्वारा फीता काटकर किया गया। पूर्व महापौर आशु वर्मा द्वारा भारत माता के जयकारे के साथ योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी और इसकी महत्ता बताई। स्थानीय पार्षद पप्पू नागर ने कहा कि विगत 10 वर्षों से केंद्र की मोदी सरकार व प्रदेश सरकार मिलकर डबल इंजन के रूप में आमजन को सरकारी योजनाओं को उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आयोजकों द्वारा बताया गया कि स्वास्थ्य इन्श्योरेंस व जनोपयोगी आदि सहायता योजनाएं

जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनहित में शुरू की गई उन योजनाओं को कैम्प लगाकर जन जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष विनीत शर्मा, महामंत्री नीरज त्यागी, मनोज गिरी, अनुज राघव, पूर्व पार्षद कपिल वशिष्ठ, वरिष्ठ भाजपा नेता डी एन सिंह, सचिन सोनी, जय कमल अग्रवाल, एस सी मोर्चा मंडल अध्यक्ष आर एन राम, भूषण शर्मा, तनुज खन्ना, अनिल अरोड़ा, राजीव त्यागी, एडवोकेट अंजू पुंडीर, एके सिंह, राजेश्वर यादव, गुड्डू चौहान, सोनू भाटी, दीपक कुमार, सौरभ कुमार, जुगनू ठाकुर व अन्य स्थानीय वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

वार्ड 97 में लगा आयुष्मान कार्ड शिविर

70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के बनवाए आयुष्मान कार्ड

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। राम्प्रस्थ वार्ड 97 के पार्षद श्रीभगवान अग्रवाल द्वारा मंगलवार को 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए गुरुद्वारे में शिविर लगाया। शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चला। इस शिविर वार्ड 97 के वृद्धजनों के साथ-साथ अधिकारी एवं कर्मचारी भी अपने परिवार के 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के दर्जनों से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। बुजुर्गों को एक ही स्पॉट पर डॉक्यूमेंट वैरीफिकेशन से लेकर आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा मिली है। दोपहर तक सैकड़ों वृद्धजन के कार्ड बनवाने के लिए रजिस्ट्रेशन किया है। इस आयुष्मान निःशुल्क शिविर में बड़ी संख्या में बुजुर्ग महिला-पुरुषों ने पहुंच कर अपना आयुष्मान कार्ड बनवाया है। पार्षद श्रीभगवान अग्रवाल ने बताया कि

शिविर में वार्ड के कुछ ऐसे भी बुजुर्ग पहुंचे हैं जिन्हें बीमार हैं। बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनने से वह अपना 5 लाख तक का इलाज शहर के अस्पतालों में करा पाएंगे। इस अवसर पर सतवीर शर्मा, आदित्य वर्धन ढाका, संदीप स्याल, त्रिलोक चंद लवली, रवि सिंघ आहूजा आदि लोग मौजूद रहे।

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जब से उपचुनाव में हुआ है कल्याणी का कल्याण? तब से भगवागढ़ के एक पहलवान बहुत कर रहे हैं अपना गुणगान? हमने देखा वो नामांकन प्रक्रिया के दौरान कर रहे थे भारी भरकम बात? कह रहे थे जो कुछ हुआ है उसमें है हमारा ही हाथ? बिना कहे वो दे रहे थे वो सभी को ये संदेश? एहसास करा रहे थे अब समाज की राजनीति में हमारा भी काफी बड़ा हो चुका फेस?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवागढ़ के बडे नेता अगर उपचुनाव के दोनों नामांकन में दिखाते अपना फेस? सच बता रहा हूं ऐसा करने से जाता उनका मजबूत संदेश? अगर एससी चेहरों की जगह यहां हुआ होता किसी और बिरादरी वालों का टिकट? सच बता रहा हूं पर्टी के बड़े-बड़े चेहरे नजर आते नामांकन स्थल के निकट? महज पार्षदों और मंडल अध्यक्षों पर छोड दिया गया नामांकन का काम? आप ही बताओ ऐसे कैसे दलित बिरादरी में मजबूत संदेश जायेगा श्रीमान?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** नदिया पार के सौंफ वाले भगवा कमिश्नर का कुछ और ही चल रहा है प्लान? पता चला है अपनी भगवा कमिश्नरी से ज्यादा नामित बनने पर लगाया हुआ है उन्होंने अपना ध्यान? कहने वाले ने कहा वो कई पटलों पर जाकर रख चुके हैं अपने मन की बात? नामित वाली व्यवस्था पाकर वो देना चाहते हैं बड़ा संदेश? वो बुझाना चाहता हैं वो किसी को लेकर अपने मन की आग? वैसे भी भगवा कमिश्नरी से तैयार कर रहे हों वो पार्षदी का रास्ता? जिस तरह से वो कर रहे हैं मेहनत? जरूर कभी ना कभी पूरी होगी उनके मन की दांस्ता?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा कमांडर के यार खुल कर रखते हैं अपने विचार? सुना है जब उनके समर्थक कर रहे थे उनके अध्यक्ष बनने की बात? तब उन्होंने सबसे क्लीयर कर दिया कि आपको नहीं देखने चाहिए इस तरह के ख्वाब? मुझे पता है अपने दल की रीति और नीति? फिलहाल काम नहीं करेगी यहां पर कोई भी रणनीति? कहने वाले ने कहा इसलिए हमें अच्छा लगता है उन पहलवान जी का किरदार? वो बिना लाग लपेट के अपने दिल की बात रख देते हैं बाहर?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भले ही भाजपा महानगर अध्यक्ष की दौड़ में दौड़ रहे हों कितने ही फैक्टर? लेकिन इस दौड़ के बीच में मजबूत चल रहा है डबल एम फैक्टर? कहने वाले ने कहा ऊपर के गलियारों में इसी फैक्टर पर हो रही है चर्चा? बाकी दावेदार तो भर रहे हैं सिर्फ ख्याली पर्चा? स्टोरी में मजबूती से चल रहा है इस वक्त दो ही चेहरों का नाम? बाकी ये भगवागढ़ की पॉलिटिक्स है, करने वाले प्रयास करते रहें? यहां अंतिम वक्त में भी फैसले बदल जाते हैं श्रीमान?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** किसी ने संगठन वाले त्यागी जी से रखी अपने मन की बात? कहा इस बार अगर आप हमारी बात मानो तो आपकी चाबी नहीं खोएगी साहब? आप अपने ओरिजनल नाम का करो राजनीति में यूज? उड़ जायेंगे फिर सभी विरोधियों के फ्यूज? आपके बृजेश वाले नाम में हमको दिखता है दम? भर जायेगा आपकी अध्यक्ष वाली दावेदारी में पानी? फिलहाल जिसका फ्लो चल रहा है कम?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा कमांडर के विधायक बनने के बाद? लाईन पार के दो ओबीसी चेहरों का कुछ ज्यादा ही साईलेंट हो गया है फेस? आखिर दोनों ने किस बात पर साध ली है खामोशी? इस बात का समझ नहीं आ रहा हमको संदेश? ना सुनाई और ना दिखाई दे रही है भगवा रेड फेस मैन की चमक? फेसबुक पर क्रान्तिकारी प्रवचन लिखने वाले नागर जी के शब्दों की भी नहीं सुनाई दे रही है धमक? लगता है दोनों कर रहे हैं राजनीति को लेकर रिलैक्स? वैसे भी खामोश रहने में लगता है कौन सा टैक्स?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा कार्यालय पर त्यागी जी के चेहरे पर आ रही थी अध्यक्ष पद के तीन दावेदारों का नाम लेकर चेहरे पर चालू वाली मुस्कान? वो मुस्कुराकर कह रहे थे अध्यक्ष पद पर फाईनल होना है भारद्वाज, मास्टर और मेरे बिरादरी वाले ब्रदर का नाम? इस बात को कहकर उन्होंने फिर से मारा ठहाका? फिर से बोले इस बार इन तीनों में से ही बनेगा कोई संगठन का आका?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हम चाहते हैं कि हैंडपम्प वाले सरदार जी को लगातार उठानी चाहिए भाजपा में पंजाबी फैक्टर को मजबूत करने की आवाज? जितनी वो आवाज मजबूत करते हैं उतना होता है हमको उन पर नाज? हम चाहते हैं कि वो भाजपा अध्यक्ष पद की दावेदारी में भी मजबूती से उठायें पंजाबी समाज की आवाज? हो सकता है विधानसभा टिकट को लेकर उनका दांव ना चला हो? मगर अध्यक्ष पद के लिए वो करा सकते हैं किसी का रास्ता साफ? हमें तो इस बार है सरदार जी से बहुत ज्यादा आस?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** नामित वाली लिस्ट में क्या एक पूर्व पार्षद के नाम पर आ गया है ट्विस्ट? सुना है जुड़ने से पहले ही नाम के कटने वाला हो गया सीन? यहां वालों को नहीं है भनक मगर लखनऊ वाले इस बात पर दिखा चुके हैं हनक? सुना है शिकायत के पुराने किस्से ने डाल दिया है ज्यादा ही फर्क? सुना है फट गया उनके नाम का वर्क?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनगर के निगम पार्षद प्रवीन चौधरी के जन्मदिन पर समरकूल चैयरमैन संजीव गुप्ता ने उन्हें बधाई शुभकामनाएं दी। सहकारिता क्रय विक्रय समिति चैयरमैन वीरेंद्र सारस्वत ने निगम पार्षद प्रवीन चौधरी को हैप्पी बर्थडे के साथ उनकी लंबी आयु उत्तम स्वास्थ की कामना की। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।